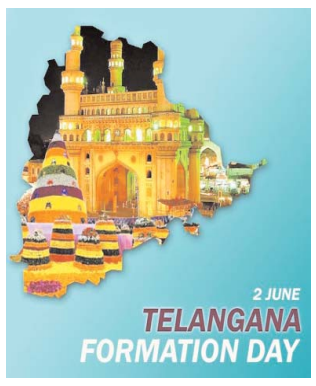

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 291/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

भोपाल, सोमवार 02 जून 2025 भोपाल से प्रकाशित | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14 | dainiksandhyaprakash.in

बैंकों से मिलने वाला कर्ज हो सकता है सस्ता

आम आदमी को जल्द और राहत मिल सकती है। इस महीने 4 से 6 जून को RBI की मौद्रिक नीति समिति की बैठक होनी है। एक्सपर्ट्स के अनुसार इस बार भी ब्याज दरों यानी रेपो रेट में 0.25% कमी होने की पूरी संभावना है। इससे सभी तरह के लोन लेना सस्ता हो जाएगा।

6 साल में पहली बार होगा ऐसा... जी7 में शामिल नहीं होंगे पीएम मोदी?

नई दिल्ली। छह साल में पहली बार, प्रधानमंत्री मोदी के इस साल 15-17 जून को कनाडा की तरफ से आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन का हिस्सा बनने की संभावना नहीं है। अल्बर्टा में होने वाली बैठक के लिए कनाडा की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक आमंत्रण नहीं आया है, लेकिन मोदी के वहां जाने की पूरी संभावना नहीं है। खासकर तब जब भारत को अभी भी यकीन नहीं है कि ओटावा में नई सरकार खालिस्तानी अलगाववादियों के बारे में उसकी चिंताओं को लेकर बात सुनेगी। कनाडा के जी7 प्रवक्ता ने रविवार को देर शाम इस बात की पुष्टि नहीं

की कि मोदी को आमंत्रित किया जाएगा या नहीं। भारत द्वारा अंतिम समय में दिए गए किसी भी आमंत्रण पर विचार किए जाने की संभावना नहीं है, क्योंकि इसमें लॉजिस्टिक संबंधी बाधाएं, अलगाववादियों की तरफ से यात्रा को बाधित करने के संभावित प्रयास और तनावपूर्ण द्विपक्षीय संबंध शामिल हैं। इन्हें सुधारने के लिए मोदी और उनके कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी दोनों ने प्रतिबद्धता जताई है। इस अवसर पर द्विपक्षीय बैठक से दोनों देशों के प्रमुखों को अपने संबंधों को फिर से बनाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का अवसर मिल सकता था।

गेस्ट लीडर्स के नामों की घोषणा नहीं

कनाडा ने शिखर सम्मेलन के लिए गेस्ट लीडर्स के नामों की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। इसमें प्रमुख विश्व अर्थव्यवस्थाओं के शासनाध्यक्ष भाग लेंगे। हालांकि, कनाडाई मीडिया की रिपोर्टों में कहा गया है कि ओटावा ने ऑस्ट्रेलिया, यूक्रेन, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील के नेताओं को आमंत्रित किया था। यह पहली बार होगा जब मोदी बैठक में शामिल नहीं होंगे, क्योंकि फ्रांस ने उन्हें 2019 में शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया था। समान विचारधारा वाले लोकतंत्रों के एक अनौपचारिक समूह के शिखर सम्मेलन में उनकी उपस्थिति को वैश्विक एजेंडे को आकार देने और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को संबोधित करने में भारत की बढ़ती भूमिका के संकेत के रूप में देखा गया है।

सिख अलगाववादियों ने की थी मांग

सिख अलगाववादियों ने पिछले सप्ताह कार्नी सरकार से भारतीय प्रधानमंत्री को आमंत्रित न करने का आह्वान किया था, जिसमें अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच में सहयोग करने में भारत की कथित अनिच्छा का हवाला दिया गया था। कार्नी के पूर्ववर्ती जस्टिन ट्रूडो ने हत्या के लिए भारत सरकार को दोषी ठहराया, जबकि भारत ने बार-बार कहा है कि उन्होंने अपने दावे को किसी सबूत के साथ साबित नहीं किया। इसके बाद राजनयिक विवाद ने संबंधों को अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंचा दिया, क्योंकि दोनों पक्षों ने मेजबान देश के प्रति शत्रुतापूर्ण गतिविधियों के लिए एक-दूसरे के राजनयिकों को निष्कासित कर दिया।

सांध्यप्रकाश विशेष

कांग्रेस के लिए शशि थरूर गले की फांस बने पार्टी चुप, उनके कदम के इंतजार में!

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर की स्थिति को लेकर पार्टी में असमंजस का माहौल है। कांग्रेस जानती है कि थरूर पार्टी से नाराज हैं, लेकिन पार्टी उन्हें कोई ऐसा मौका देना नहीं चाहती कि वे बगावत पर उतारू हो जाएं। यह बात थरूर भी जानते हैं, पर चुप हैं। केरल से दिल्ली तक थरूर के धुर विरोधी के सी वेणुगोपाल फिलहाल राहुल गांधी के आंख और कान बने हैं। ये बात कांग्रेस के कई नेताओं को पसंद नहीं है, मगर वो क्या करें। हर बात पर राहुल गांधी, 'केसी से मिल लीजिए' की बात कह देते हैं। थरूर कई बार पत्रकारों को कह चुके हैं कि वो चार बार के सांसद हैं, मगर उनकी लोकसभा में बैठने की जगह इतनी पीछे क्यों है और केसी वेणुगोपाल की इतनी आगे क्यों? शशि थरूर की यह भी शिकायत है कि उनके अपने नेता से मिलने के लिए वक्त नहीं दिया जाता। थरूर को लगता है कि यह सब इसलिए हो रहा, क्योंकि उन्होंने मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ अध्यक्ष का चुनाव लड़ा था। थरूर को खरगे के

7,897 वोटों के मुकाबले 1,072 वोट ही मिले और वे हार गए थे। तब से कांग्रेस में यह संदेश गया कि थरूर ने गांधी परिवार के खिलाफ लड़कर एक तरह से बगावत की है। थरूर को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह कांग्रेस में लेकर आए और केन्द्र में मंत्री बनाया था। मनमोहन सिंह थरूर को यूएन का अध्यक्ष बनाना चाहते थे, हालांकि थरूर वो चुनाव हार गए थे। थरूर के कांग्रेस आलाकमान के साथ रिश्ते नरम-गरम रहे हैं। हालांकि, उन्हें कांग्रेस की कार्य समिति का सदस्य बनाकर पार्टी ने हालात को थोड़ा संभालने की कोशिश की। लेकिन, फिर पहलगाम के बाद विदेश जाने वालों की कमेटी में उनको नेता बनाया जाना, कांग्रेस का शुरुआत में इस पर आपत्ति करना, फिर विदेश में एयर स्ट्राइक पर उनका बयान देना और उसमें मनमोहन सिंह सरकार का जिक्र न करना, कांग्रेस को नागवार गुजरा। कांग्रेस के कई नेता शशि थरूर के खिलाफ खुलकर सामने आ गए। लेकिन, फिर भी पार्टी उन पर कार्रवाई करना नहीं चाहती।

दशोरा प्रश्नोरा नागर समाज ने देश , धर्म और संस्कृति को बचाने के लिए कई आहुतियां दीं: डॉ मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव दशोरा प्रश्नोरा नागर समाज मंदसौर के मां कुलदेवी पूजन कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव दशोरा प्रश्नोरा नागर समाज मंदसौर के मां कुलदेवी पूजन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि दशोरा प्रश्नोरा नागर समाज ने देश , धर्म और संस्कृति को बचाने के लिए कई आहुतियां दीं। समाज ने कठिनाइयों के बीच भी अपनी परंपराएं और पहचान बनाए रखी। व्यापार, व्यवसाय के साथ ही पूजा पाठ में शुद्धता और प्रक्रियाओं की सटीकता के साथ कर्म संपादित करना इस समाज की विशेषता रही है। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव मंदसौर में हुए समाज के मां कुलदेवी पूजन कार्यक्रम को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे ।

पचमढ़ी में कैबिनेट बैठक कल, सीएम 33.88 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे

कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने की संभावनाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 3 जून को नर्मदापुरम जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल पचमढ़ी का दौरा करेंगे। इस अवसर पर वे राज्य कैबिनेट की विशेष बैठक के साथ-साथ पर्यटन और अन्य विभागों से जुड़े कुल 33.88 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन करेंगे। पचमढ़ी में कैबिनेट बैठक में राज्य सरकार कई महत्वपूर्ण निर्णय ले सकती है। इस बैठक में पचमढ़ी के पूर्व जागीरदार राजा भभूत सिंह की स्मृति में उनकी प्रतिमा स्थापित करने का प्रस्ताव विचाराधीन है। इसके साथ ही नर्मदांचल क्षेत्र में किसी संस्थान का नाम राजा भभूत सिंह के नाम पर रखने की संभावना भी जताई जा रही है। सरकार का उद्देश्य है कि राजा भभूत सिंह की वीरता और योगदान को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाया जाए। उनके सम्मान में लिया जाने वाला यह निर्णय न केवल स्थानीय गौरव को बढ़ावा देगा, बल्कि क्षेत्रीय इतिहास को भी सहेजने का कार्य करेगा। बता दें इससे पहले मार्च 2022 में भी पचमढ़ी में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित की गई थी। अब एक बार फिर इसी स्थल पर कैबिनेट बैठक होने जा रही है। सोमवार शाम 6 बजे मुख्यमंत्री मोहन यादव भोपाल स्टेट हैंगर से पटना एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे। पटना पहुंचकर वे स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। सीएम का पटना दौरा शाम 7.20 से रात 10 बजे तक चलेगा। रात 10 से 11.20 बजे के बीच, वे विमान से भोपाल लौटेंगे।

पचमढ़ी को देंगे यह सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जटाशंकर और पांडव गुफाओं पर पिंक टॉयलेट लाउंज लागत 19 लाख रुपए, जयस्तंभ क्षेत्र में पाथवे निर्माण लागत 10 करोड़ रुपए, घूपगढ़ जल आपूर्ति योजना लागत 60 लाख रुपए, पचमढ़ी प्रवेश द्वार लागत 35 लाख रुपए, सतपुड़ा रिट्रीट में किचन, रेस्टोरेंट और स्विमिंग पूल लागत 1.35 करोड़ रुपए का लोकार्पण करेंगे।

21.39 करोड़ के विकास कार्यों का करेंगे भूमिपूजन

21.39 करोड़ रुपए की 6 नई परियोजनाओं का भूमिपूजन करेंगे। इसमें हांडी खो में पर्यटक सुविधाएं लागत 1.98 करोड़ रुपए, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में आधारभूत ढांचे का विकास लागत 2.13 करोड़ रुपए, हिलटॉप बंगले का होमस्टे में रूपांतरण लागत 6.70 करोड़ रुपए, एमआईसीई कम्युनिटी सेंटर का निर्माण लागत 9.90 करोड़ रुपए, केन्द्रीय नर्सरी का निर्माण लागत 34 लाख रुपए शामिल है।

बांग्लादेश में बदल गई करेंसी अब कुछ इस तरह से दिखेगी

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने नए करेंसी नोट जारी किए हैं। देश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर बांग्लादेश के नोट से हटा दी गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नए करेंसी नोट रविवार, 1 जून 2025 को तीन वर्गों यानी

1,000 टका, 50 टका और 20 टका के जारी किए गए हैं। हालांकि, शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर वाले पुराने नोट और सिक्के अभी प्रचलन में बने रहेंगे। यह पहली बार है कि नए करेंसी नोटों पर मुजीबुर रहमान की तस्वीर नहीं है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में बांग्लादेश के एक सीनियर अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि नई करेंसी सीरीज में अब किसी भी मानव आकृति का चित्र नहीं है। बांग्लादेश की नए करेंसी नोटों पर प्राकृतिक परिदृश्य और ऐतिहासिक स्थलों को दर्शाकर देश की सांस्कृतिक विरासत को उजागर किया गया है। बैंक नोटों में हिंदू, बौद्ध मंदिरों, दिव्यांगत जैनुल आबेदीन की कलाकृति और राष्ट्रीय शहीद स्मारक की तस्वीरें शामिल होंगी, जो 1971 के लिबरेशन वार के दौरान मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देती है। शेख मुजीबुर रहमान, जिन्हें लोकप्रिय रूप से बंगबंधके नाम से भी जाना जाता है। वह बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता थे।

डीआरडीओ का गजब कारनामा, न्यूक्लियर रेडिएशन को बेअसर कर देगी ये देसी दवाई

नई दिल्ली। परमाणु हमले के बाद होने वाले रेडिएशन के खतरे से बचने के लिए भारत में बनी स्वदेशी एंटीडोट अब तैयार हो गई है। देश में पहली बार यह गजब का कारनामा डीआरडीओ ने कर दिखाया है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने इसे दिल्ली में तैयार किया है। दिल्ली स्थित प्रयोगशाला इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड एलाइड साइंसेज ने इस स्वदेशी एंटीडोट को तैयार किया है। न्यूक्लियर रेडिएशन से बचाने वाली इस दवा को दवा नियामक (ड्रग रेग्युलेटर) ने भी अपनी मंजूरी दे दी है। बता दें कि रेडिएशन से बचने के लिए अभी तक विदेशों से ही दवाएं मंगवाई जाती थी। इस दवा का इस्तेमाल किसी भी परमाणु इमरजेंसी में किया जा सकता है। यह इमरजेंसी तब होती है जब परमाणु बिजली संयंत्र या न्यूक्लियर पावर प्लांट से किसी कारण से रेडिएशन का रिसाव हो जाता है। ऐसे में इस दवा का एंटीडोट आपके स्वास्थ्य की रक्षा करने में सक्षम हो सकता है। साथ ही यह स्वदेशी एंटीडोट युद्ध के दौरान रक्षा कर्मियों के लिए भी फायदेमंद हो सकता हैं क्योंकि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से इसका सबसे अधिक खतरा रहता है। परमाणु कचरा भी हमारी जान का दुश्मन बन सकता है।

सिक्किम में मिलिट्री कैंप पर लैंडस्लाइड तीन की मौत व 6 जवान लापता

इंफाल। सिक्किम में रविवार शाम 7 बजे एक मिलिट्री कैंप भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड की चपेट में आ गया। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई, जिनके शव बरामद हुए हैं। छह

जवान लापता हैं। सेना ने सोमवार को घटना की जानकारी दी। एक रक्षा अधिकारी के हवाले से बताया कि चार लोगों को बचाया गया है, जिन्हें मामूली चोटें लगी हैं। लापता जवानों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है। दूसरी तरफ, सिक्किम के लाचेन और लाचुंग में 30 मई से फंसे एक हजार से ज्यादा टूरिस्टों को आज निकाला गया। सिक्किम सहित पूर्वोत्तर के राज्यों में पिछले 4 दिनों से भारी बारिश हो रही है। बारिश के कारण बाढ़ और लैंडस्लाइड की घटनाओं में अब तक 37 लोगों की जान गई है। इसमें असम में 10, अरुणाचल प्रदेश में 9, मिजोरम में 5 और मेघालय में 6 मौतें शामिल हैं। सिक्किम में अक्टूबर, 2023 को बादल फटने के बाद तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। कम से कम 98 लोग लापता हो गए थे, जिसमें सेना के 22 जवान शामिल थे। इनका कुछ पता नहीं चल पाया था।

पूर्वोत्तर राज्यों में राहत और बचाव के लिए भारतीय सेना, एयरफोर्स और असम रायफल्स के जवानों को तैनात किया गया है। असम में 3.64 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में भेंट की। उन्होंने नरसिंहपुर में 26 से 28 मई तक चले कृषि उद्योग समागम 2025 के सफल आयोजन के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पुष्प गुच्छ भेंट कर आभार माना।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव से केन्द्रीय सूचना प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मुलाकात की तथा पुष्प गुच्छ व शॉल भेंट कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिवादन किया।

समीक्षा बैठक

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में 15 वें वित्त आयोग और पीएम-अभिम अंतर्गत विकास कार्यों की वृहद समीक्षा की।

ब्रह्मांड सुंदरियां, आखिर चुनते कैसे हैं

मुकेश नेमा

सवाल यह कि मिस वर्ल्ड , मिस यूनिवर्स चुनते कैसे है ? देखा जाये तो हर लड़की सुंदर। किसी की आंखे सबसे मादक तो किसी की हँसी। हमें तो किसी शादी ब्याह के मौक़े पर इकट्ठा लड़कियों में से सबसे सुंदर चुनने में पसीने आ जाते हैं। फिर ये पूरी दुनिया में से सबसे सुंदर लड़की चुनना ! कैसे कर लेते हैं ये चुनने वाले ! यह बात समझना थोड़ा मुश्किल है। फिर सुंदरता के पैमाने क्या होते होंगे ? यह जानना भी ज़रूरी है कि ऐसी प्रतियोगिताओं में सुंदरता बस नाक नक़्श की ही परखी जाती है या उसकी पर्सनालिटी की ,बोलने बताने के तरीक़े की ,उसके दिमाग़ की भी जाँच पड़ताल की जाती है। वैसे इस तरह की फ़िज़ूल की कसरत की ज़रूरत भी कहाँ है ? यदि किसी लड़की को सुंदर करार देने के पहले यदि उसके दिमाग़ को टटोलने की ज़रूरत महसूस हो तो उसे सुंदर मानने में मुझे असमंजस होगा।

कुछ संतोषी लोग यह भी कहते पाये गये है कि तन के बजाय मन की सुंदरता ज़्यादा मायने रखती है। ऐसा कहने वाले ज़्यादातर लोग वो है जिनका बाल विवाह हुआ है। किसी को सुंदर करार दिये जाने में सबसे ख़ास रोल देखने वाले की आँखों का ही है ,और आँखे एकदम से मन की थाह ले लें यह तो हो नहीं सकता। अब बताईये कौन गधा ऐश्वर्या ,प्रियंका चोपड़ा या दीपिका को सुन्दर करार देने के पहले उनके मन में झांकने तक इंतज़ार करेगा। सुंदर होने में सबसे मज़े की बात यह कि इसमें सुंदर लगने वाली का अपना कुछ भी योगदान नहीं होता। सुंदर होने के लिये हल नही चलाना पड़ते। आमतौर पर किसी के सुंदर होने के पीछे उसकी माँ बाप के नाक नक़्श ज़िम्मेदार होते है । यह सब बस क़िस्मत का खेल है ,इसे ऐसा समझे ,यदि आप कपूर फ़ैमिली में पैदा

होते हैं तो यह आपके सुंदर होने की ग्यारंटी है पर देवगण के यहाँ पैदा होने पर आप का क्या होगा यह पूरे भरोसे से नहीं कहा जा सकता।

सुंदरता देखने वाले की आंखों में होती है- और फिर हमारे यहाँ का कोई समझदार यह बता गया था सुंदरता देखने वाले की आँखों में होती है। मजनू को काली कलूटी लैला में हूर की परी दिखी ,भरी जवानी में दफ़्न हो गये वो उसके लिये ,तो केतन आनंद को सनी देयोल की महिला अवतार प्रिया राजवंश परम सुंदरी लगी । ऐसी लगी की वह उनके दिल के अलावा उनकी फ़िल्मों की भी हीरोईन बनी , उनकी फ़िल्मों का सत्यानाश किया इस भावहीन महिला ने ,और लाखों दर्शकों के करोड़ों क़ीमती घंटे ,धन के साथ साथ दिमाग़ भी ख़राब हुए। कुल मिलाकर किसी लड़की को सबसे सुंदर तभी करार दिया जा सकता है जब आप उसके इश्क में पड़ गये हों। वो आपके दिमाग़ पर पूरी तरह क़ब्ज़ा कर चुकी हो और आप उसके लिये पूरे ज़माने से अपनी हँसी उड़वाने के लिये तैयार हों। मेरे ख़्याल से जिस लडकी को देखते ही मुँह खुला रह जाये ,मख्खियां बिना डरे आ जा सकें उसमें , दिमाग़ बिना नोटिस दिये हड़ताल पर चला जाये और टटोले से भी दिल अपनी जगह पर ना मिले तो उसे बिना शक सुंदर मान लेना चाहिए।

सुंदर लड़कियों का सुंदर होना ही काफ़ी है

सुंदर होने के अपने फ़ायदे हैं। सुंदर लड़कियों का सुंदर होना ही काफ़ी है। उन्हें अपने कैरियर की चिंता नहीं करनी पड़ती। फिल्मों ,मॉडलिंग में दिलचस्पी ना भी हो तो भी उन्हें ज़िंदगी भर के लिये कोई गधे जैसा मेहनती ,होनहार सफल लड़का शॉपिंग के बड़े बड़े बैग उठाने के लिये ,कार का दरवाज़ा खोलने के लिये मुफ़्त हासिल होता है। वे जो बोलती है वही सही होता है। वो जो कुछ बोलें उसके पहले ही तालियाँ बजने लगती हैं। उन्हें हर जगह तवज्जो मिलती है ,दुनिया भर के सारे रेड कार्पेट उनके लिये ही हैं। सुंदर लड़की को कभी लाईन में नहीं लगना होता ,वे जहां होती है वहाँ उपस्थित सारा ही पुरूष समाज अतिशय विनम्र और भद्र हो जाता है। सुंदर लड़कियों को क़ानून व्यवस्था बनाये का श्रेय भी है और दुनिया के तीन चौथाई से ज़्यादा युद्ध भी उनकी ही वजह से हुए हैं। हम तो बिना शक यह मानते है कि हिंदुस्तानी लड़कियाँ सबसे सुंदर। और फिर सौ की एक बात। अरबों डॉलर के टर्नओवर वाला सुंदरता का बाजार भी हर दो पांच साल मे इस बात की तस्दीक करता है कि हमारी लड़कियाँ सबसे सुंदर है। बाज़ार है मालिक ,और मालिक कहे दिन तो दिन ,वो कहे रात तो रात। ऐसे मे आपको भी बिना ना मुकुर किये मान लेना

स्वरांजली म्यूजिकल ग्रुप का कल रविन्द्र भवन में कार्यक्रम

भोपाल। रविन्द्र भवन में 3जून को स्वारांजली म्यूजिकल ग्रुप द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के संरक्षक राजकिशोर रायकवार,अध्यक्ष आकाश दिघे एवं आयोजक किरण दिघे ने बताया, इस कार्यक्रम में दक्षिण भारत के दिग्गज गायकों द्वारा हिंदी फ़िल्मों में गाये सुपरहिट गानो की प्रस्तुति कलाकारो द्वारा दी जायेगी। कार्यक्रम में पुणे के मशहूर गायकअनिरुद्ध देवकर, इंदौर के गायक डॉ. अतुल भट्ट, तथा स्थानीय कलाकार शिव कुमार राव, राजेंद्र मालवीय, नवनीत चेतवानी , राधिका मिश्रा (सारेगामा चैम्प लिटिल फेम), पूर्वी सुहास, आयुषी स्वामी, तनु हारोड़े आदि द्वारा गानों की प्रस्तुति दी जाएगी।सहयोगी स्वर में मनी प्रधान, सनी खान, एंजल जैराल्ड एवं एंजेलो जैराल्ड रहेंगे। संगतकार टीम में श्री विक्रमजीत विक्की (संगीतसंयोजन)। दिवाकर परब मुंबई, ललित नारायणन अय्यर भोपाल), अंश शर्मा मुंबई), विकास जैन (लीड गिटार, इंदौर), ललित परेरा (बेस गिटार, इटारसी) और आकाश रणदिवे(ढोलक, हैंडसोनिक,मुंबई) शामिल हैं। कार्यक्रम का संचालन रंजीत राव (जबलपुर) द्वारा किया जाएगा। इस भव्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरिओम जटिया, विशिष्ट अतिथि राजेश मिश्रा सेवानिवृत्त IAS), संजय पटेल अध्यक्ष, अखिल भारतीय गुजराती समाज, प्रदीप मिश्रा और उदय शंकर को सम्मानित किया जाएगा।

विधायक रामेश्वर शर्मा ने श्रीराम जानकी मार्केट का भूमिपूजन किया

भोपाल। हुजूर विधानसभा क्षेत्र ग्राम मुगलिया छाप पंचायत में आज विधायक रामेश्वर शर्मा द्वारा श्री राम जानकी मार्केट का भूमि पूजन किया गया यह मार्केट ग्रामीण क्षेत्र में एक नई उन्नति का स्रोत माना जाता है यहां पर लगभग 30 दुकानें बनाई जाएगी आज इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के घनश्याम पाटीदार सरपंच मनीष पाटीदार मनोज कामवार आल्हा अधिकारी और पंचायत के समस्त ग्रामवासी उपस्थित हुए।

खाद्य विभाग अधिकारी कुजूर का सेवानिवृत्ति पर किया सम्मान

भोपाल। मध्य प्रदेश राज पत्रिक अधिकारी संघ द्वारा खाद्य विभाग अधिकारी अजीत कुमार कुजूर रिटायरमेंट द्वारा स्वागत सम्मान समारोह संपन्न हुआ जिसमें आज मध्य प्रदेश से आए हुए समस्त कर्मचारियों द्वारा आगामी संघर्ष के लिए शुभकामनाएं दी साथ ही मध्य प्रदेश राष्ट्रपति अधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया।

नर्मदा भवन में किया वार्षिक आम सभा का आयोजन

भोपाल। वी एस एम फाउंडेशन द्वारा आज नर्मदा भवन में वार्षिक आम सभा का आयोजन किया गया जिसमें आज समस्त पदाधिकारी के साथ मिलकर नई रणनीति बनाई जिसमें समाज के हित के लिए गरीब परिवार और उनके बच्चों की पढ़ाई के लिए अहम मुद्दा रहा संस्था द्वारा समय-समय पर उनकी मदद करती रही है आज लगभग पूरे प्रदेश में 2000 फाउंडर मेंबर है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर आयोजित दो दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी का पंचायत मंत्री ने किया समापन

नशे के विरुद्ध संकल्प लेकर अभियान चलाया जाना चाहिए : पटेल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा है कि नशे के विरुद्ध एवं उसकी रोकथाम के लिए हमें संकल्प लेकर अभियान चलाना चाहिए। ऐसे संस्थान या लोग जो समाज को नशे से मुक्त कराने के लिए संकल्पित हैं, मैं उनके साथ हूं। ऐसे संस्थाओं एवं लोगों का मै अभिनंदन करता हूं। श्री पटेल शनिवार की शाम दुष्यंत संग्रहालय में कायस्थम मध्य प्रदेश द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर आयोजित छायाचित्र प्रदर्शनी का समापन कर रहे थे। श्री पटेल ने कहा कि हर नशे को चैलेंज किया जाना चाहिए। गुटखा भी नशा है, जबकि कहा जाता है कि उससे नशा नहीं होता । तंबाकू या अन्य नशे के साधनों का उपयोग कर जब बच्चा बिगड़ जाता है तो वह अमर्यादित हो जाता है। फिर वह अभिभावकों की बात भी नहीं मानता ।

हमने नशे के खिलाफ लड़ाई का संकल्प लेकर एक लंबा अभियान चलाया है। उन्होंने कायस्थम संस्था की प्रशंसा की कि वह नशा के विरोध में महानतम कार्य कर रही है। श्री पटेल ने कहा कि नशे के व्यवसाय में जो लोग सामने खड़े हैं, वह ताकतवर हैं। उनका मुकाबला करने का हौसला होना चाहिए। नशे की लत से शिकार हुए लोगों को ठीक रास्ते पर लाने का कार्य भी व्यापक पैमाने पर हो, तभी हम अपने देश और समाज को एक सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। श्री प्रहलाद पटेल ने बताया कि उन्होंने सांसद बनने के साथ ही शराब व अन्य नशे के विरुद्ध अभियान शुरू कर दिया था। श्री पटेल ने कहा कि नशे की रोकथाम के लिए जो संस्थान या व्यक्ति कार्य कर रहे हैं ,उन्हें भी पूरी जानकारी होना चाहिए। नशे को लेकर सरकार का भी दृष्टिकोण स्पष्ट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का गर्व है कि उन्होंने चुनाव अथवा राजनीति के लिए कभी किसी शराब निर्माता से एक पैसा भी नहीं लिया। श्री पटेल ने नशे की रोकथाम के लिए संचालित नशा मुक्ति केंद्र अथवा ऐसे समाजसेवियों को सम्मानित भी किया, जिन्होंने नशे के विरुद्ध अभियान चलाया हुआ है। सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि प्रदर्शनी में जो चित्र प्रदर्शित किए गए हैं , उनमें नशे की रोकथाम का सही चित्रांकन किया गया है। उन्होंने नशा के विरुद्ध कार्य कर रहे लोगों से कहा कि वह कहने से ज्यादा करने में विश्वास करें, तभी इस अभियान में सफल होंगे।

उन्होंने कहा कि मेडिकल साइंस कहती है कि नशा नहीं करना चाहिए, इसलिए लोगों को अपने तरीके से सूचना दी जानी चाहिए कि वह किस प्रकार अपने स्वास्थ्य की रक्षा कर सकते हैं। उन्होंने इस बात का समर्थन किया कि दृश्य के माध्यम से मनुष्य ज्यादा प्रभावित होता है ,इसलिए कास्यस्थम द्वारा आयोजित यह प्रदर्शनी तंबाकू अथवा अन्य नशे के विरोध में एक सार्थक पहल है। इसके लिए उन्होंने कायस्थम को बधाई दी। सम्मानित व्यक्तियों की ओर से श्री राजीव तिवारी ने शराब अथवा अन्य नशे के दुष्प्रभाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी ।उन्होंने बताया कि पूर्व में शराब सहित अन्य नशे के साधनों से 28 करोड़ लोग नशे का उपयोग करते थे। जिसमें से 16 करोड़ शराब का ही उपयोग करते थे ,बाकी 12 करोड़ अन्य नशे का। इनमें से 7.5 करोड़ प्रॉब्लम यूजर हो गए। 5 लाख हर साल मरते हैं। हर मिनट में एक की मौत होती है। 70त्न एक्सीडेंट के पीछे शराब का नशा ही होता है। घरेलू हिंसा के 80त्न प्रकरणों में शराब का नशा एक प्रमुख कारण होता है। प्रारंभ में श्री प्रहलाद सिंह पटेल , सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी श्री जालम सिंह पटेल, श्री महेश श्रीवास्तव ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। अतिथियों ने शरद श्रीवास्तव के छाया चित्रों की प्रदर्शनी का अवलोकन कर उसकी सराहना की और उसके आयोजन के लिए कायस्थम को बधाई दी। कायस्थम के अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव ने स्वागत उद्बोधन में अतिथियों को संस्था की गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी । प्रलय श्रीवास्तव ने प्रहलाद सिंह पटेल को आश्वस्त किया कि नशे के विरुद्ध उनके अभियान में कायस्थम भी उनके साथ है। श्री प्रलय श्रीवास्तव, सचिव डॉ.रश्मि सक्सेना, कोषाध्यक्ष मुकुल अस्थाना ,संयुक्त सचिव श्री अजय भटनागर, कार्यकारिणी सदस्य श्री अनुराग श्रीवास्तव, अजय निगम ने अतिथियों का स्वागत कर कर उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया। पत्रकार श्री गीत दीक्षित ने श्री प्रहलाद पटेल के कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। फोटोग्राफर श्री शरद श्रीवास्तव ने प्रदर्शनी के संबंध में जानकारी दी।कार्यक्रम का संचालन श्री संजय खरे ने किया। अंत में आभार सचिव डॉ. रश्मि सक्सेना ने किया।

मनोज श्रीवास्तव द्वारा छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन

मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त श्री मनोज श्रीवास्तव ने दुष्यंत संग्रहालय पहुंचकर कायस्थम द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर आयोजित फोटोग्राफर शरद श्रीवास्तव के छायाचित्रों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने प्रदर्शनी में प्रदर्शित छायाचित्रों की प्रशंसा की और कायस्थों को इस अभियान में जुटे रहने को कहा। इस अवसर पर कायस्थम की ओर से श्री मनोज श्रीवास्तव को पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया गया।

विषयों की दौड़ में खोया जीवन

विषयों की चाह, अर्थात् भौतिक सुख-सुविधाओं, धन, वैभव, और इंद्रिय सुखों की लालसा, मानव जीवन को एक अंतहीन दौड़ में धकेल देती है, जो प्रायः विषाद, शोक और दुखों से भरी होती है। यह चाह मनुष्य को सच्चे सुख और शांति से दूर ले जाती है, क्योंकि यह न केवल क्षणिक होती है, बल्कि इसके पीछे भागते हुए व्यक्ति अपने जीवन का अमूल्य समय और नैतिकता को भी खो देता है। विषयों की प्राप्ति के लिए मनुष्य दिन-रात परिश्रम करता है, लेकिन यह परिश्रम अक्सर लोभ, स्वार्थ और अनैतिकता की ओर ले जाता है। धन, संपत्ति, या ऐश्वर्य की लालसा में वह पापपूर्ण कार्यों में लिप्त हो जाता है, जैसे छल, कपट, अन्याय, या शोषण। ये कार्य भले ही तात्कालिक रूप से कुछ सुख या सफलता प्रदान करें, परंतु दीर्घकाल में ये मन को अशांत और आत्मा को दुखी करते हैं। इस प्रकार, विषयों की चाह में व्यक्ति न केवल अपने नैतिक मूल्यों को खो देता है, बल्कि वह उस सुख को भी प्राप्त नहीं कर पाता, जिसके लिए वह यह सब करता है। इसके अतिरिक्त, विषयों की प्राप्ति के बाद भी सुख स्थायी नहीं होता। धन, वैभव, या सांसारिक सुखों का आनंद क्षणभंगुर होता है। एक इच्छा पूरी होने पर दूसरी जन्म लेती है, और यह चक्र अनवरत चलता रहता है। इस चक्र में फँसा मनुष्य कभी संतुष्ट नहीं हो पाता। वह या तो प्राप्त वस्तुओं को खोने के भय में जीता है या और अधिक पाने की लालसा में अशांत रहता है। इस प्रकार, विषयों की चाह में जीवन का प्रत्येक क्षण दुख, चिंता, और शोक से ग्रस्त हो जाता है। अंततः, जब जीवन का अंत निकट आता है, तब मनुष्य को यह एहसास होता है कि विषयों की इस दौड़ में उसने न केवल अपने जीवन का सच्चा उद्देश्य खो दिया, बल्कि अपनों से दूरी, मन की अशांति, और आत्मिक रिक्तता को भी प्राप्त

सतनामी समाज के पूरन बने निर्विरोध अध्यक्ष

भोपाल। गुरु घासीदास सेवा समिति सतनामी समाज ने पूरन सतनामी को निर्विरोध अध्यक्ष चुना इस अवसर पर सभी ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी पूरन सतनामी ने अपनी कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए उपाध्यक्ष मंजेश जांगड़े ,सचिव धनेन्द्र बंजारा ,कोषाध्यक्ष नरेंद्र पंकज, कार्यकारिणी सदस्य नानहु घृतलहरे ,देवा घृतलहरे,चमन बघेल ,दीपक अंचल ,मनीराम सोनी ,राजा डहरिया ,दिलीप दिवाकर आदि को अपनी कार्यकारिणी में स्थान दिया है इस अवसर पर वरिष्ठ समाज सेवी अमृत पाटले , कृष्णा बघेल,पूर्व अध्यक्ष किशन बंजारे, बुधारू पाटले , डा सीताराम घृतलहरे ,एल के लहरे , टीकाराम पाटले, लालाराम बंजारे आदि ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

भगवान अग्रसेन और महालक्ष्मी की 15वीं महाआरती का आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अग्रवाल समाज द्वारा आयोजित भगवान अग्रसेन जी एवं कुलदेवी महालक्ष्मी जी की 15वीं महाआरती रविवार को कमला पार्क स्थित महाराजा अग्रसेन प्रतिमा स्थल पर भव्य और भक्तिमय वातावरण में सम्पन्न हुई। इस आयोजन ने धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और सेवा भावना को एक साथ जोड़ते हुए समाज को नई ऊर्जा प्रदान की।

समाज के नितिन गुप्ता और विनीत अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह महाआरती लगातार 15 माह से निर्धारित समय पर की जा रही है। विशेष बात यह रही कि आरती अपने नियमित समय पर होती है वर्षा आंधी तूफान भगवान अग्रसेन जी की आशीर्वाद से उस समय शांत हो जाती है। आरती के दौरान संजय अग्रवाल (ब्रजवासी, न्यू मार्केट) ने जजमानी का दायित्व निभाया और प्रसाद तथा नाश्ते की उत्तम व्यवस्था कर सेवा भाव का परिचय दिया। आयोजन के दौरान नमन इन्वेस्टमेंट और विहान फिजियोथैरेपी के सहयोग से लकी ड्रा आयोजित किया गया, जिसमें दिव्यांशी अग्रवाल और प्रणव गुप्ता विजेता घोषित हुए। विजेताओं को मध्य प्रदेश अग्रवाल महासभा के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश मित्तल, मुकेश गोयल, नितिन गुप्ता, डॉ. अंकुर अग्रवाल एवं अन्य वरिष्ठों द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैलाश मित्तल (प्रदेश अध्यक्ष, मध्य प्रदेश अग्रवाल महासभा) रहे।आरती समूह के सदस्यों ने उनका पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्रमुख उपस्थितजनों में कैलाश अग्रवाल (लालघाटी एवं वल्लभ नगर), सौरभ गुप्ता, शैलेश गुप्ता, सुनील अग्रवाल, श्रवण अग्रवाल, निशा गुप्ता, अर्चना गुप्ता, गीता अग्रवाल, छाया अग्रवाल, स्वाति अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल,रवि अग्रवाल मौजूद रहे।

अहिल्याबाई की 300वीं जयंती पर आयोजित लेख प्रतियोगिता संपन्न

संत हिरदाराम नगर। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में कॉलेज में एक विशेष लेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से आयोजित किया गया, जिसमें 100 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। लोकमाता अहिल्याबाई का जीवन अनेक प्रेरणाओं से परिपूर्ण था, किंतु उनका न्यायप्रिय स्वभाव विशेष रूप से उल्लेखनीय है। एक प्रसिद्ध प्रसंग के अनुसार, जब उनके पुत्र ने अन्यायपूर्वक एक ग्रामीण को दंडित किया, तो अहिल्याबाई ने स्वयं अपने पुत्र को दंड देकर यह सिद्ध किया कि कर्तव्य, संबंधों से ऊपर होता है। यह प्रसंग विद्यार्थियों के लिए नेतृत्व, नैतिकता और निष्पक्षता का गहरा संदेश लेकर आया। प्रतियोगिता के अंत में निर्णायकों द्वारा प्रविष्टियों का मूल्यांकन किया गया, जिसमें सौम्या सक्सेना को प्रथम पुरस्कार, प्रतीक्षा शुक्ला को द्वितीय एवं तानिया पाटिल को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इस आयोजन की सफलता में एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मीना बरसे, डॉ. विभा खरे तथा डॉ. शांती शर्मा की प्रमुख भूमिका रही। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. डालीमा परवानी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

भगवान कला केंद्र के समर कैंप 2025 का समापन समारोह भव्यता के साथ संपन्न

भोपाल। भगवान कला केंद्र, भोपाल द्वारा आयोजित समर कैंप 2025 का समापन समारोह 1 जून को भव्यता और सांस्कृतिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विविधता, मातृ प्रेम और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। समारोह में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों में हीरो ज्ञानचंदानी, श्री भगवान दामानी, मनोहर शेवानी, पंकज गुरमलानी, देवीदास उत्तमचंदानी, अनिल टिलवानी, थावर वरलानी एवं मोहनलाल आसवानी शामिल थे, जिन्होंने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना की और उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन संस्था की प्रशासनिक अधिकारी और आयोजन की मेज़बान, सुश्री पूर्वा परयानी के मार्गदर्शन में किया गया। आपने समारोह के अंत में सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। समर कैंप की प्रभारी शालू वरलानी और भावना ग्वालानी के नेतृत्व में बच्चों ने नृत्य, नाटक, गीत और खेलों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इन प्रस्तुतियों में भारत की संस्कृति, मातृत्व प्रेम और एकता के संदेश को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। भगवान कला केंद्र के सभी शिक्षकों और कर्मचारियों के सहयोग से यह समर कैंप सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सागर स्कूल के छात्रों ने 2024-25 ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

भोपाल। विश्व के सबसे बड़े ओलंपियाड साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा आयोजित इंटरनेशनल ओलंपियाड परीक्षा 2024 - 25 में भोपाल के सागर पब्लिक स्कूल की पांचवीं कक्षा की छात्रा अयाना सिंह ने इंटरनेशनल सोशल स्टडीज़ ओलंपियाड में दूसरी रैंक हासिल कर, इंटरनेशनल सिल्वर मैडल और प्रमाण पत्र अर्जित किया है। इस वर्ष के एसओएफ ओलंपियाड में 72 देशों के लगभग लाखों छात्रों ने भाग लिया, जिसमें भोपाल के 32400 से अधिक छात्र शामिल थे। जिसमे सागर पब्लिक स्कूल, ओरिएंटल स्कूल सहित भोपाल के प्रसिद्ध स्कूल भी शामिल थे।साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन ने दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में 2024-25 ओलंपियाड परीक्षाओं के टॉपर छात्रों को सम्मानित किया।

इस कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के 750 से अधिक छात्र और शिक्षक मौजूद थे। इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जे.के महेश्वरी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस वर्ष 222 छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। इंटरनैशनल रैंक-1 पर आने वाले 74 छात्रों को 50,000 रुपये और गोल्ड मेडल, इंटरनैशनल रैंक-2 के विजेताओं को 25,000 रुपये और सिल्वर मेडल, जबकि इंटरनैशनल रैंक-3 के छात्रों को 10,000 रुपये और ब्रॉन्ज मेडल प्रदान किए गए। इस के साथ साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन ने शिक्षकों को भी सम्मानित किया।

सेवा भारती और रेड क्रॉस ने तंबाकू पर होने वाली बीमारियों से बचाव के लिए जागरुक किया

भोपाल। सेवा भारती महानगर स्वास्थ्य आयाम, और भारतीय रेड क्रॉस समिति के संयुक्त तत्वाधान में तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर, न्यू मार्केट ओर कमलापति रेलवे स्टेशन पर, तंबाकू से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से लघु नाटक के माध्यम से आनंद विहार ओर नूतन कॉलेज छात्राओं द्वारा प्रस्तुति करते हुए तंबाकू के नुकसान बताए, भारी संख्या में जनसमुदाय ने इस कार्यक्रम को सराहा और तंबाकू सेवन नहीं करने का संकल्प लियो। कार्यक्रम में रामेन्द्र जी ने बताया कि तंबाकू हमारे देश को आर्थिक सामाजिक मानसिक और शारीरिक रूप से नुकसान पहुंचाता है, तंबाकू का सेवन नहीं करने पर हम अनेक बीमारियों से अपने आप को दूर रख सकते हैं और दिल की बीमारियों से खतरा 50त्न कम हो जातो। मीडिया प्रभारी भगवान दास ढालिया जी ने बताया कि समाज में विसंगतियों को लेकर सेवा भारती और भारतीय रेडक्रॉस समिति निरंतर आम जनों को जागरूक करने का काम करते हैं और आगे भी स्वास्थ्य प्रति जागृत करते रहेंगे। कार्यक्रम में डॉ रामअवतार यादव, डॉ दिनेश शर्मा, डॉ सत्येंद्र बघेल, रामस्वरूप राय, दिनेश बिल्लौरे और रेड क्रॉस समिति का सहयोग सराहनीय रहा।

विकसित भारत 2047 पहल के अंतर्गत विरासत और स्वास्थ्य का उत्सव मनाया

संत हिरदाराम नगर। भारत सरकार की दूरदर्शी पहल विकसित भारत 2047 के अंतर्गत, संत हिरदाराम गर्ल्स साइंस कॉलेज, भोपाल में 22 मई से 28 मई तक एक सप्ताहव्यापी कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विकास भी, विरासत भी थीम पर आधारित था, जिसका उद्देश्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाना और शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को प्रोत्साहित करना था। कॉलेज के समग्र विकास के दृष्टिकोण के अनुरूप, एनसीसी नेवल विंग और खेल विभाग द्वारा कैडेट्स के लिए विरासत-प्रेरित स्वास्थ्य गतिविधियाँ आयोजित की गईं। आयोजित प्रमुख गतिविधियाँ पारंपरिक व्यायाम, भारतीय विरासत से प्रेरित योग सत्र इन गतिविधियों ने कैडेट्स को शारीरिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उन्हें भारत की प्राचीन स्वास्थ्य परंपराओं से भी जोड़ने का कार्य किया।

जल संचय करने वाले जिलों में देश में खंडवा बना नंबर वन

केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने जारी की सूची, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी बधाई

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे जल संचय, जनभागीदारी अभियान में खंडवा जिले ने कीर्तिमान रचकर देशभर में मध्यप्रदेश का मान बढ़ाया है। खंडवा जिले ने जल संचय करने वाले जिलों में देश में प्रथम स्थान हासिल किया है। वहां राज्यों की श्रेणी में देश में मध्यप्रदेश चौथे नंबर है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने प्रदेश और जिलों की रैंकिंग जारी की है।

ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जल संरक्षण अभियान में मध्यप्रदेश सरकार मिशन मोड में काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में बारिश के पानी का संचयन करने तथा पुराने जल स्त्रोतों को नया जीवन देने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है।प्रदेश में बारिश के पानी को रोकने खेत तालाब, कूप रिचार्ज पिट, अमृत सरोवर सहित अन्य कार्य किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल संचय, जनभागीदारी अभियान में खंडवा जिले को देश में प्रथम स्थान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की है।उन्होंने खंडवा के नागरिकों,जन-प्रतिनिधियों और शासकीय अमले को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि जल संरक्षण सरकार की प्राथमिकता है। डॉ. यादव ने कहा है कि पूरा विश्वास है कि इस अभियान में पूरे प्रदेश के सभी जिलों में बेहतर से बेहतर कार्य होगा।

बारिश के पानी को बचाने खंडवा जिले में किए गए यह कार्य अभूतपूर्व हैंजल गंगा संवर्धन अभियान के राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी एवं मनरेगा आयुक्त अविप्रसाद ने बताया कि खंडवा जिले में अभियान अंतर्गत मनरेगा, 15वां वित्त, 5वां वित्त, सीएसआर एवं जनसहयोग से 1 लाख 29 हजार 46 से अधिक संरचनाओं का निर्माण एवं पंजीकरण किया गया है। इसमें 12750 कूप रिचार्ज पिट, 1500 रिचार्ज सॉफ्ट, 23570 डगवेल, 5780 बोल्डर चेकडेम, 1256 बोल्डर वॉल, 3960 बोरीबंधान, 7455 पत्थर/मिट्टी के फील्डबण्ड, 5500 गलीप्लग (गेबीयन/लूज बोल्डर), 3269 नाला ट्रेंच, 6528 हैंडपंप रिचार्ज, 39000 रूफवाटर हार्वेस्टिंग, 58 चेकडैम/स्टॉपडैम/तालाब, 4800 पोखर तालाब, 2275 ड्रेनवर्क, 1500 खेत तालाब, 68 कंटूर ट्रेंच, 750 सूखे बोर रिचार्ज, 2462 जीर्णोद्धार कार्य एवं 6560 अन्य जल संरक्षण के जैसे जल संरचनाओं का पुनरुद्धार, हैंडपंप पुनर्भरण, सूखे बोरवेल का पुनर्भरण और कुएं के पुनर्भरण कार्य शामिल हैं।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा जारी रैंकिंग के बाद भारत सरकार द्वारा जिले में हुए कार्यों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद ही केंद्र सरकार द्वारा पुरस्कार की घोषणा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि जल संचय, जनभागीदारी अभियान अंतर्गत एक अप्रैल 2024 से 31 मई 2025 के बीच जो निर्माण किया गया है, उसके आधार पर खंडवा जिला देश में पहले नंबर पर है।

प्रधानमंत्री मोदी ने जल प्रबंधन को लेकर समग्र दृष्टिकोण के अंतर्गत सरकार तथा समाज के समन्वित प्रयासों द्वारा विविध जल आवश्यकताओं को पूरा करने पर बल दिया। इसका उद्देश्य जहां गिरे, जब गिरे - वर्षा का जल संचित करें के मंत्र के साथ वर्षा जल संचयन और जन सहभागिता को बढ़ावा देना है। इस अभियान की सफलता के आधार पर जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग ने 6 सितंबर 2024 को जल शक्ति अभियानः कैच द रेन के तहत जल संचय, जन भागीदारी पहल की शुरुआत की गई। जिसका उद्देश्य कम लागत, वैज्ञानिक और सामुदायिक तरीके से भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देना एवं समुदायों की भागीदारी के माध्यम से कृत्रिम भू जल पुनर्भरण की आवश्यकता के प्रति जन-जागरूकता फैलाना है, जिससे जल संकट जैसी चुनौतियों का समाधान किया जा सके। साथ ही सामुदायिक भागीदारी से विभिन्न संगठनों और व्यक्तियों को जल संरक्षण परियोजनाओं की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करना है। जन-भागीदारी से जल संरचनाओं का निर्माण एवं पुनरुद्धार करने के साथ ही कम लागत में बोरवेल रिचार्ज सिस्टम, रिचार्ज शाफ्ट, रूफटॉप वर्षा जल संचयन, जलाशयों का पुनरुद्धार करना भी अभियान में शामिल हैं।

भोपाल से शुरू हुआ जन आंदोलन तंबाकू के खिलाफ एकजुट हुआ समाज

एक शपथ, लाखों जिंदगियां, भोपाल में हुआ एंटी-टोबैको कॉन्क्लेव

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

ग्लोबल वेलफेयर स्माइल फाउंडेशन द्वारा एंटी टोबैको कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। समन्वय भवन भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में लोगों को तंबाकू से होने वाले गंभीर दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। डॉ. पूजा त्रिपाठी के नेतृत्व में चलाए गए इस मिशन को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल किया गया – यह प्रदेश में स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। कॉन्क्लेव में स्वास्थ्य सेवा के योद्धाओं को सम्मानित कर एक प्रेरणादायक संदेश दिया गया।

उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने एक साफ और साहसिक संदेश देते हुए कहा कि नशे की आदत छोड़ना आसान नहीं, लेकिन संकल्प और लक्ष्य के साथ यह संभव है। 42,000 लोगों द्वारा तंबाकू छोड़ने की शपथ को उन्होंने जान बचाने का अभियान करार दिया और कहा कि जब समाज मिलकर कार्य करता है, तभी असली परिवर्तन आता है। श्री देवड़ा ने यह भी कहा कि नशा एक व्यक्ति की नहीं, पूरे परिवार की पीड़ा का कारण बनता है। इसीलिए इस पर नियंत्रण आवश्यक है।उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने समाज को एक स्पष्ट संदेश दिया कि नशे की आदत लगना आसान है, लेकिन उससे छुटकारा पाना बेहद कठिन। जागरूकता और सतत प्रयासों की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वेलफेयर स्माइल फाउंडेशन द्वारा एक दिन में 42,000 लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई है। उन्होंने शपथ को सामाजिक परिवर्तन की चिंगारी बताया और कहा कि अब हर एक को 1000 और लोगों तक यह संकल्प पहुँचाना होगा। राजेंद्र शुक्ल ने चेताया कि अगर आने वाली पीढ़ी नशे की गिरफ्त में चली गई, तो 2047 तक भारत को विश्व की आर्थिक शक्ति बनाने का सपना अधूरा रह जाएगा। ऐसे में इस अभिमान को सफल बनाने में सबकी सहभागिता आवश्यक है।

कार्यक्रम में डेनासिया ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के चेयरमैन पी.के. त्रिपाठी ने कहा कि नशा समाज ही नहीं देश की एक जटिल समस्या है, जिससे निपटने के लिए नशा मुक्ति के अभियान में सबको एक साथ मिलकर आगे आना होगा। ग्लोबल वेलफेयर स्माइल फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. पूजा त्रिपाठी ने बताया कि प्रदेशवासियों को तंबाकू की लत से मुक्त करना और उन्हें इसके दुष्परिणामों जैसे मुख कैंसर के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 12 मई से निरन्तर अभियान चलाकर लोगों को शपथ दिलाई गई। साथ ही तंबाकू से होने वाले नुकसान को लेकर भी जागरूक किया गया। यह तंबाकू निषेध संकल्प कार्यक्रम केवल एक औपचारिकता नहीं था, बल्कि यह एक जन आंदोलन है जो लोगों को तंबाकू जैसे जानलेवा व्यसन से दूर करने का संदेश देता है। कार्यक्रम में विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय भी उपस्थित थे।

भोपाल के अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट्स की क्रियाशीलता की हुई मॉक ड्रिल

भोपाल। शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में स्थापित पी एस ए प्लांट की क्रियाशीलता और ऑक्सीजन की शुद्धता को परखने के लिए 1 जून को 4 घंटे की मॉकड्रिल आयोजित की गई। मॉकड्रिल को संबंधित संस्था प्रभारियों की देखरेख में पी एस ए प्लांट तकनीशियन द्वारा किया गया। इस दौरान ऑक्सीजन के फ्लो एवं प्रवाह दर को रोगी के बिस्तर के समीप स्थित ऑक्सीजन आउटलेट पर मापा गया। जिसमें पी एस ए से ऑक्सीजन का दबाव 4.6 बार एवं बेडसाइड पर ऑक्सीजन प्रेशर 4.2 बार होने की स्थिति की जांच की गई। मॉक ड्रिल में अग्नि सुरक्षा रोकथाम हेतु आपातकालीन प्रणालियों की उपलब्धता और क्रियाशीलता का भी परीक्षण किया गया। भोपाल में ज़िला चिकित्सालय में 1000 एल.पी.एम. के दो ऑक्सीजन प्लांट एवं 6 किलोलीटर का एक एल.एम.ओ प्लांट संचालित है ।सिविल अस्पताल बैरागढ़, के.एन.के., बैरसिया, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोलार, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नज़ीराबाद एवं अन्य शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में ऑक्सीजन प्लाण्ट क्रियाशील हैं। सिविल अस्पताल केएनके में 500 एलपीएम का पी.एस.ए. प्लाण्ट एवं 1 किलोलीटर का एल.एम.ओ. प्लाण्ट, सिविल अस्पताल बैरागढ़ एवं कोलार में 150-150 एलपीएम, एम्स में 1000 एलपीएम, गांधी मेडिकल कॉलेज में 5000 एलपीएम, कमला नेहरू गैस राहत, खुशीलाल एवं रेल्वे चिकित्सालय में 500-500 एलपीएम, कस्तूरबा चिकित्सालय में 500 एलपीएम एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नजीराबाद में 250 एलपीएम क्षमता के ऑक्सीजन प्लांट संचालित है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल ने प्रभाकर तिवारी ने बताया कि पी एस ए प्लांट की क्रियाशीलता, ऑक्सीजन सप्लाई और ऑक्सीजन शुद्धता की जांच समय समय पर की जाती है। मॉक ड्रिल से प्राप्त जानकारी का विश्लेषण कर वरिष्ठ कार्यालय को अवगत करवाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी विश्व दुग्ध दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व दुग्ध दिवस पर बधाई दी है। मध्यप्रदेश गौसेवा के संकल्प के साथ दुग्ध से समृद्धि के पथ पर अग्रसर है। अंबेडकर कामधेनु योजना के अंतर्गत गोपालन करने वाले आर्थिक रूप से सशक्त होंगे और देश के दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश का योगदान 9 से बढ़ाकर हम 20 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य अवश्य प्राप्त करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के साथ मध्यप्रदेश सरकार ने अनुबंध किया है, जिससे प्रदेश के ग्रामों में दुग्ध सहकारी समितियां गठित कर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि की जाएगी। सांची ब्रांड को लोकप्रिय बनाया जा रहा है। गौशालाओं और गौ-पालकों को पूरा प्रोत्साहन दिया जा रहा है। प्रदेश में गाय के दूध से निर्मित उत्पाद और औषधियां अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास है।

डीजीएम विद्युत वितरण कंपनी की 2 वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर गत रात्रि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के गोविन्दपुरा स्थित काल सेंटर का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का समय पर निराकरण नहीं करने पर डीजीएम मुरैना श्री अभिषक चौरसिया की 2 वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिये। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कॉल सेंटर से ही डीजीएम भोपाल सिटी ईस्ट जोन और डीजीएम रायसेन से भी बात कर समस्याओं के निराकरण में देरी पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। भिण्ड जिले के गोरमी गाँव के उपभोक्ता नरेन्द्र सिंह से भी बात कर उनकी समस्या के संबंध में जानकारी ली। श्री तोमर ने निर्देशित किया कि कॉल सेंटर के हेल्पलाइन नम्बर 1912 में कॉल वेटिंग नहीं होना चाहिए। कॉल सेंटर प्रभारी ने बताया कि सामान्यतः एक घंटे में 300 से 350 फोन काल आते हैं। उन्होंने स्काडा सेंटर और स्मार्ट मीटर मानीटरिंग सेंटर का भी निरीक्षण किया।

स्कूल शिक्षा विभाग आगामी सीजन में 50 लाख पौधों का करेगा रोपण

विद्यालयों में ईको क्लब के माध्यम से व्यापक स्तर पर चलाया जायेगा पौध रोपण अभियान

विद्यालयों में एक पेड़ मां के नाम 2.0 के रूप में चलेगा अभियान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश के विद्यालयों में 5 जून से ईको क्लब के माध्यम से व्यापक स्तर पर पौध रोपण अभियान चलाने का निर्णय लिया है। यह अभियान प्रदेश में एक पेड़ माँ के नाम 2.0 के नाम से चलाने का फैसला किया गया है। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने समस्त जिला शिक्षा अधिकारी और जिला परियोजना समन्वयक को पत्र लिखकर निर्देश जारी किये हैं। प्रत्येक जिले में अभियान के दौरान एक लाख पौधों का रोपण करने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश में विद्यार्थियों की भागीदारी से 30 सितम्बर तक 50 लाख पौधे रोपे जायेंगे।

पौध रोपण का उद्देश्य

व्यापक स्तर पर पौध रोपण का उद्देश्य बच्चों और युवा पीढ़ी को सतत् विकास के प्रति संवेदनशील बनाने और प्रकृति को हरा-भरा बनाने में सक्रिय भागीदार बनाना है। यह अभियान मातृत्व की भावना का सम्मान करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना भी है। पौध रोपण में स्थानीय और क्षेत्रीय प्रजातियों के पौधे लगाने को प्राथमिकता दी जायेगी। अभियान के दौरान बच्चों को पौधों की किस्मों और उनके फायदे की जानकारी भी साझा की जायेगी।

क्रियान्वयन की रणनीति

जिला स्तर पर जिला शिक्षा अधिकारी को विद्यालयों, ग्राम में उपलब्धभूमि एवं विद्यालय की छात्र संख्या के अनुसार कार्ययोजना बनाने के लिये कहा गया है। जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति गठन करने को कहा गया है। समिति में वनमंडल अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक, स्कूल प्राचार्य, समाज के प्रमुख नागरिकों को शामिल करने के लिये कहा गया है। समिति के नोडल अधिकारी जिला शिक्षा अधिकारी और जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र सहायक नोडल अधिकारी होंगे। पौध रोपण की तैयारी 4 जून तक करने के लिये कहा गया है। पौध रोपण मुख्य रूप से स्कूल परिसर, स्कूल तक जाने वाली सड़क, सार्वजनिक स्थल और अमृत सरोवर के आस-पास किया जायेगा। पौध रोपण के बाद उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी तय किये जाने के लिये कहा गया है।

प्रत्येक वृक्ष प्रजाति के लिए एक क्यू-आर कोड भी बनाया जा सकता है

ग्रीष्म अवकाश के बाद 15 जून से बच्चों को प्रातः सभा के समय पौधों के महत्व के बारे में बताने के लिये कहा गया है। लगाये गये पौधों के साथ एक पट्टिका होगी, जिसमें विद्यार्थी और उसकी माता का नाम भी अंकित किया जायेगा। प्रत्येक वृक्ष प्रजाति के लिये एक क्यू-आर कोड भी बनाया जा सकता है, जिससे बॉटनिकल जानकारी का डिजिटली प्रसार हो सकेगा। जिला स्तर पर कक्षा 9 से 12 के विद्यालयों में संपूर्ण कार्यक्रम के क्रियान्वयन का सुपरविजन का दायित्व जिला शिक्षा अधिकारी को और कक्षा 6 से 8 तक के विद्यालयों में कार्यक्रम की निगरानी का कार्य जिला परियोजना समन्वय जिला शिक्षा केन्द्र को सौंपा गया है।

सरकारी स्कूलों में सीसीएलई गतिविधियों को दिया जाएगा बढ़ावा

भोपाल। प्रदेश में सरकारी स्कूलों में कन्टीन्यूअस एण्ड कॉम्प्रेंसिव ईवेल्युएशन (सीसीएलई) गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विद्यार्थियों के लिये 21वीं शताब्दी के कौशल अर्जित करने पर जोर दिया गया है। इस बात को ध्यान में रखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग सरकारी हाई और हायर सेकण्डरी स्कूलों में सीसीएलई कार्यक्रम अर्थात सतत् एवं व्यापक अधिगम एवं मूल्यांकन कार्यक्रम के रूप में संचालित कर रहा है। सीसीएलई गतिविधियों के अंतर्गत प्रति सप्ताह होने वाले लेखन कौशल, वक्तव्य कौशल, प्रश्नोत्तरी कौशल, दृश्य और प्रदर्शन कला पर केन्द्रित गतिविधियां विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में मदद करती हैं। नये शैक्षणिक सत्र 2025-26 में ग्रीष्म अवकाश के बाद बाल सभा प्रत्येक शनिवार को पूर्वानुसार प्रथम 3 कालखण्ड में संचालित होगी। वर्ष 2024-25 में सीसीएलई गतिविधियों की राज्य स्तर पर मॉनिटरिंग के लिये विमर्श पोर्टल पर मॉड्यूल निर्माण किया गया था।

369 सांदीपनि विद्यालयों का संचालन

प्रदेश में वर्तमान में 369 सर्वसुविधा युक्त सांदीपनि विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। पूर्व में यह विद्यालय सीएम राइज स्कूल के नाम से जाने जाते थे। वर्ष 2025 में 150 नये सांदीपनि विद्यालय संचालित होंगे। प्रदेश में सरकारी स्कूलों को सर्वसुविधा सम्पन्न कर विद्यार्थियों को रोचक एवं आनंद दायक शिक्षा प्रदान करने और उनके सर्वांगीण विकास करने के उद्देश्य से पहले चरण में 276 सांदीपनि विद्यालय शुरू किये गये थे। सांदीपनि विद्यालयों में उत्कृष्ट भवन एवं अधोसंरचना विकसित किये जाने का कार्य निरंतर प्रगतिशील है। इन विद्यालयों में निकटस्त 10 से 15 किलोमीटर की दूरी के विद्यार्थियों को स्कूल में लाने के लिये परिवहन व्यवस्था भी प्रारंभ की गई है।

कानून और न्याय: पाकिस्तान पर सिंधु जल संधि स्थगन पूरी तरह विधि सम्मत

विनय झैलावत

पहलगाम में नागरिकों पर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमले के बाद, भारत सरकार ने घोषणा की, कि सिंधु जल संधि, 1960 (आईडब्ल्यूटी) को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया जाएगा। प्रमुख जल-बंटवारा संधि तब तक निलंबित रहेगी जब तक पाकिस्तान विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन का परित्याग नहीं कर देता। सिंधु जल संधि भारत और पाकिस्तान के बीच सबसे मजबूत राजनीतिक समझौतों में से एक रही है, जो कई युद्धों और शत्रुता के लंबे दौर से बची रही है। हालांकि, संधि को स्थगित करना भारत का गंभीर कदम है। क्योंकि, यह जल-साझाकरण सहयोग को व्यापक राजनीतिक और सैन्य तनावों से अलग रखने की लंबे समय से चली आ रही परंपरा को तोड़ता है। फिर भी, यह भारत का अंतर्राष्ट्रीय कानून से पीछे हटना नहीं है। यह एक रणनीतिक कानूनी शासन कला है। सिंधु जल संधि को 19 सितंबर 1960 को भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व बैंक ने मध्यस्थता के माध्यम से पारित किया था। इस संधि ने सिंधु नदी प्रणाली के जल के उपयोग के संबंध में दोनों देशों के अधिकारों और दायित्वों को निर्धारित और सीमांकित किया। इसने पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चिनाब के जल पर नियंत्रण पाकिस्तान को और पूर्वी नदियों रावी, ब्यास और सतलुज के जल पर नियंत्रण भारत को दिया। संधि ने जल पर विवादों को सुलझाने के लिए तीन चरणीय सीढ़ी बनाई। द्विपक्षीय स्थायी सिंधु आयोग की वार्षिक बैठक प्रश्नों को संभालती है। विश्व बैंक द्वारा नियुक्त तटस्थ विशेषज्ञ मतभेदों को संभालता है। साथ ही मध्यस्थता न्यायालय का आयोजन विवादों को संभालता है। स्थगन की भाषा जानबूझकर है। भारत न तो संधि से पीछे हटा है और न नदी के प्रवाह को बदला है। लेकिन, भारत ने प्रक्रियागत सहयोग को रोक दिया। लाभ के लिए पानी का नहीं, बल्कि कानून का इस्तेमाल किया है। यह कानूनी कूटनीति है। यहां संयम प्रभाव को बढ़ाता है। भारत के इस अभूतपूर्व कदम ने कई जटिल कानूनी सवालों को जन्म दिया है। पहला, क्या किसी संधि को स्थगित रखना अंतरराष्ट्रीय कानून में मान्यता प्राप्त है? दूसरा, क्या स्थगित रखना गलत कार्यों के विरुद्ध प्रतिकार के रूप में उचित ठहराया जा सकता है? स्थगन शब्द का तात्पर्य अस्थायी रूप से उपयोग न किए जाने या निलंबन की स्थिति से है। लेकिन, यह अंतर्राष्ट्रीय संधि कानून के तहत कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त अवधारणा नहीं है। न तो अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) और न ही संधियों के कानून पर संधियों के संबंध में वियना कन्वेंशन, 1969 (वीएलसीटी) संधि दायित्वों को रोकने या निलंबित करने के आधार के रूप में स्थगन प्रदान करता है।

अंतर्देशीय जल परिवहन में एकतरफा निलंबन की अनुमति देने वाला कोई प्रावधान नहीं है। इसके बजाय अंतर्देशीय जल परिवहन के अनुच्छेद में कहा गया है कि संधि उस उद्देश्य के लिए संपन्न विधिवत अनुसमर्थित संधि द्वारा समाप्त होने तक लागू रहेगी। इसी तरह, वियना कन्वेंशन के तहत, किसी संधि को केवल विशिष्ट आधारों पर निलंबित या समाप्त किया जा सकता है। इसमें भौतिक उल्लंघन (अनुच्छेद 60), असंभवता (अनुच्छेद 61) और मौलिक परिवर्तन (अनुच्छेद 62) शामिल है। आमतौर पर इसके लिए पक्षों की आपसी सहमति (अनुच्छेद 57) की आवष्यकता होती है। वियना कन्वेंशन अनुच्छेद 60-62 के तहत उल्लेखित किसी भी आधार का हवाला दिए बिना किसी संधि को एकतरफा रूप से रोके रखने (या स्थगित करने) की अनुमति नहीं देता है।

वियना कन्वेंशन (वीएलसीटी) इस बारे में कोई मार्गदर्शन नहीं देता कि संघर्ष या बढ़े हुए राजनीतिक तनाव के दौरान किसी संधि को निलंबित या संशोधित किया जा सकता है या नहीं। भारत वियना कन्वेंशन पर हस्ताक्षरकर्ता नहीं है। लेकिन, उसने इसके सिद्धांतों को अस्वीकार भी नहीं किया। व्यवहार में भारत ने लगातार इसके कई नियमों का पालन किया है। प्रथागत अंतर्राष्ट्रीय कानून के आवेदन के रूप में या इसके सुविधाजनक दिशा-निर्देशों को अपनाकर। उदाहरण के लिए, भारत ने बंगाल की खाड़ी समुद्री सीमा मध्यस्थता में वियना कन्वेंशन आधारित सिद्धांतों का आह्वान किया और भारतीय अदालतों ने भी उन्हें अपनाया है।

यद्यपि भारत औपचारिक रूप से वियना कन्वेंशन से बंधा हुआ नहीं है। फिर भी उसने इसके मानक ढांचे का स्पष्ट रूप से समर्थन किया है। इसमें यह सिद्धांत भी शामिल है कि संधियों का सम्मान सद्भावनापूर्वक किया जाना चाहिए। हालांकि, यह सिद्धांत निरपेक्ष नहीं है। यह प्रतिवाद, आवश्यकता और राज्य संप्रभुता जैसे सिद्धांतों के साथ सह-अस्तित्व में है। यह असाधारण मामलों में संधि दायित्वों से अस्थायी रूप से हटने को उचित ठहरा सकते हैं। यह दृष्टिकोण भारत को अपने संधि आचरण में लचीलापन प्रदान करता है। विषेष रूप से निलंबन या समाप्ति के मामलों में, जैसा कि अंतर्देषीय जल परिवहन के प्रति इसके हालिया दृष्टिकोण में देखा गया हैं।

भारत ने संधि से पीछे हटने का फैसला नहीं किया है और न उसने जल प्रवाह को मोड़ा या आवंटन कोटा का उल्लंघन किया है। वास्तव में, ऐसा करने के लिए उसके पास बुनियादी ढांचे का अभाव है, जो डाउन स्ट्रीम उपयोग को बाधित करने के लिए आवश्यक पैमाने पर है। इसके बजाय भारत ने प्रक्रियात्मक सहयोग को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। अर्थात विवाद समाधान मंचों, संयुक्त तंत्रों और संधि संचालन से जुड़े नियमित राजनयिक जुड़ावों में भागीदारी। यह परित्याग नहीं है। यह कानूनी संयम का एक नपा-तुला रूप है। यह लंबे समय से चली आ रही, अनसुलझी गलत राज्य प्रायोजित आतंकवाद की कार्रवाई के सामने किया गया है। सिंधु जल संधि में निरस्तीकरण की अनुमति देने वाला कोई स्पष्ट खंड नहीं है। वियना कन्वेंशन के अनुच्छेद 62 में प्रावधान है, कि यदि परिस्थितियों में कोई मौलिक परिवर्तन हुआ है, तो संधि को समाप्त या वापस लिया जा सकता है। यह भारत के पूर्व सिंधु जल आयुक्त ने इसका उल्लेख किया है। भारत ने पाकिस्तान के जल संसाधन मंत्रालय को अपने संचार में इस प्रावधान का हवाला देते हुए निरंतर सीमा पार आतंकवाद को एक मौलिक बदलाव के रूप में उद्धृत किया है। इसने सुरक्षा अनिश्चितताओं को जन्म दिया है, जो उस आधार को कमजोर कर रहा है, जिस पर संधि संपन्न हुई थी। इस संदर्भ में, सिंधु जल संधि को स्थगित रखने को उल्लंघन के रूप में नहीं, बल्कि एक वैध प्रतिवाद के रूप में सही ढंग से व्याख्या की जा सकती है। अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत, प्रतिवाद एकतरफा, गैर-बलपूर्वक कार्रवाई है जो किसी अन्य राज्य द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कानून के उल्लंघन के जवाब में एक पीड़ित राज्य द्वारा की जाती है। उनका उद्देश्य गलत कार्य के लिए अनुपालन को प्रेरित करना या क्षतिपूर्ति सुनिश्चित करना है। प्रतिवादों को विशिष्ट परिस्थितियों द्वारा नियंत्रित किया जाता है। उन्हें आनुपातिक, प्रतिवर्ती और वैध आचरण को बहाल करने पर लक्षित होना चाहिए।

नदी के प्रवाह को बनाए रखते हुए प्रक्रियागत सहयोग को निलंबित करने की भारत की कार्रवाई इन मानदंडों का पालन करती प्रतीत होती है। यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गलत कार्य के लिए एक मापी हुई अस्थायी प्रतिक्रिया है। इसे कानूनी संयम के ढांचे के भीतर किया गया है। इस प्रकार ''स्थगन'' एक वैध प्रतिवाद है, जो राज्य की जिम्मेदारी और आवश्यकता सिद्धांतों पर आधारित है, न कि भारत के संधि दायित्वों का खंडन। इस दृष्टि से भारत की कार्रवाई एक कानूनी ग्रे-जोन में है जिसे अंतरराष्ट्रीय कानून व्यवहार में स्वीकार करता है, भले ही संहिताबद्ध पाठ में न हो।

यह संधि व्यवस्थाओं को अस्थिर करने के लिए नहीं बल्कि उनकी व्यवहार्यता के लिए आधारभूत पूर्व शर्तों, यानी आपसी सद्भावना को फिर से पुष्ट करने के लिए कानूनी साधनों के उपयोग को दर्शाता है। कनाडा और अमेरिका के बीच एक स्थायी कोलंबिया नदी संधि है। इसमें कोई भी पक्ष दस साल के नोटिस के साथ वापस ले सकता है। सिंधु जल संधि का पाकिस्तान द्वारा गलत तरीके से उपयोग किया जाता रहा है। यह संधि लंबे समय से भारतीय विकास में देरी करने के लिए एक उपकरण के रूप में काम करती रही है। इसलिए राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभु हितों के मद्देनजर इस पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। भारत ने यही किया है।

संपादकीय

बातचीत नहीं अब पाक में आतंकियों पर कार्रवाई चाहिए

आतंकवाद को शह और संरक्षण देने के मसले पर पाकिस्तान की भूमिका जगजाहिर रही है। हैरानी की बात यह है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई बार आतंकियों के वित्त पोषण के लिए पाकिस्तान को कठघरे में खड़ा किया गया है, लेकिन उस पर कभी का असर नहीं पड़ा। उल्टे जब भी मौका मिला, पाकिस्तान ने आतंकी संगठनों को हर स्तर पर खाद-पानी मुहैया कराया और खासतौर पर भारत के खिलाफ उनका इस्तेमाल करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पहलगाम में आतंकी हमला उसकी कुत्सित मंशा की ही एक कड़ी थी, जिसमें छब्बीस लोगों की जान चली गई। वह घटना एक तरह से भारत के धीरज की हद को चुनौती देने जैसी थी, जिसके बाद भारत ने इसका संयमित, लेकिन उचित प्रतिकार किया। पाकिस्तान की सीमा के भीतर स्थित कई आतंकी ठिकानों पर भारत ने हमला किया और बहुत सारे आतंकियों को मार गिराया। इस सबके बावजूद पाकिस्तानी ठिकानों से आज भी कई कुख्यात आतंकवादी चेहरे और संगठन बिना किसी बाधा के अपनी गतिविधियां संचालित कर रहे हैं। इस हकीकत के समांतर पाकिस्तान किस आधार पर भारत के साथ संवाद और इसके जरिए किसी समस्या के हल की उम्मीद कर रहा है। गौरतलब है कि पहलगाम में आतंकी हमले के प्रतिकार में भारत ने जब जवाबी कार्रवाई की और उसमें भारत को बड़ी कामयाबी मिली, तो उसके बाद पाकिस्तान के सामने यह लाचारी खड़ी हो गई कि वह संवाद की ओर कदम बढ़ाए। इसलिए पिछले कुछ दिनों से वह भारत के सामने बार-बार बातचीत की पेशकश कर रहा है। सवाल है कि एक ओर आतंक को संरक्षण और दूसरी ओर संवाद का सहारा जैसे दोहरे पैमानों के साथ पाकिस्तान किस तरह खुद को उचित ठहराने की कोशिश कर रहा है। इसलिए भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्वाभाविक ही यह दो टूक संदेश दिया है कि अगर पाकिस्तान द्विपक्षीय वार्ता के लिए सचमुच गंभीर है तो पहले उसे संयुक्त राष्ट्र की ओर से घोषित आतंकवादियों- हाफिज सईद और मसूद अजहर को भारत को सौंप देना चाहिए। उन्होंने पाकिस्तान को यह सलाह भी दी है कि अपने हित में वह अपनी धरती से जारी आतंकवाद को खुद ही उखाड़ फेंके। विडंबना यह है कि वैश्विक आतंकवाद के पोषण का एक गढ़ बन चुके पाकिस्तान के बारे में संयुक्त राष्ट्र से लेकर दुनिया के तमाम देश समझते हैं और समय-समय पर उसे आतंकी मकड़जाल से निकलने की सलाह देते रहे हैं। मगर यह समझना मुश्किल है कि अन्य देशों और खासतौर पर भारत को आतंकवाद के सहारे परेशान करने वाला पाकिस्तान कई बार खुद भी आतंकी हमलों की त्रासदी झेलता है, लेकिन आतंकियों को संरक्षण देने और बचाने से बाज क्यों नहीं आता। अफसोस की बात है कि इन आतंकियों के अलावा कई ऐसे लोग भी हैं, जिन्होंने हजारों करोड़ रुपए के घोटाले किए और भाग कर दूसरे देशों में शरण लिया हुआ है। आतंकवाद के साथ-साथ अन्य आर्थिक भगोड़ों की वजह से भारत को होने वाले नुकसान की सिर्फ निंदा करने के बजाय उन्हें वापस लाना और कानून के कठघरे में खड़ा करना वक्त का तकाजा है।

योग से दूर करें शारीरिक थकान एवं मानसिक तनाव

दांपत्य जीवन में मधुरता एवं परिवार में खुशहाली लाएं

योग गुरु महेश अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से निःशुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है। वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। हजारों योग साधक अपनी योग साधना की निरंतरता से विपरीत परिस्थितियों में भी स्वयं स्वस्थ एवं सकारात्मक रहते हुए सेवा के कार्यों में लगे है साथ ही परिवार में खुशहाली अपने दांपत्य जीवन में मधुरता महसूस कर रहें है।

योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि योग अपने आप में एक पूर्ण विज्ञान माना जाता है जिसके हर आसन तन और मन को तंदुरुस्त रखने में मदद करते है। योग के आसन ना सिर्फ आपके मन और शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक होते है बल्कि यह आपके यौन जीवन को भी बेहतर बनाने में मदद करता है। जब आप शारीरिक और मानसिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होंगे तभी किसी भी उम्र में एक स्वस्थ वैवाहिक जीवन को जी पायेंगे। जीवन हो या शरीर किसी भी क्षेत्र में कोई भी समस्या हो उसका सीधा प्रभाव आपके वैवाहिक जीवन पर पड़ता है।

अगर आप किसी तनाव या अवसाद में हैं तो सेक्स के प्रति रूचि कम हो जाएगी। शरीर में किसी भी प्रकार का कष्ट सेक्स के दौरान चरम अवस्था तक पहुंचने में बाधा उत्पन्न कर सकता है। खराब जीवनशैली या किसी भी प्रकार के बीमारी के कारण कई प्रकार के सेक्स संबंधी समस्याओं का सामना आपको करना पड़ सकता है। स्वस्थ और बेहतर सेक्स जीवन का आनंद उठाने के लिए दूसरे उपायों का सहारा लेने के बजाय योग का सहारा लेना सबसे सुरक्षित और सही उपाय होता है।

योग आपको हर पल शरीर और मन से युवा बनाए रखने की ताकत रखता है, साथ ही यह वैवाहिक जीवन सुखी बनाने में मदद भी करता है। मगर इसके लिए सतत अभ्यास की आवश्यकता है।

योग के वो आसन जो आपके यौन जीवन को सुखी बनाने में आपकी मदद कर सकते है।

1. पद्मासन : योग के इस आसन से मांसपेशीयां , पेट, मूत्राशय और घुटनों में खिंचाव उत्पन्न होता है, जिससे इनमें मजबूती आती है। इससे न सिर्फ शरीर में उत्तेजना का संचार होता है बल्कि चरमसुख की अवधि भी बढ़ती है।

2. हलासन : यौन ऊर्जा को बढ़ाने के लिए इस आसन का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह पुरुषों और महिलाओं की यौन ग्रंथियों को मजबूत और सक्रिय बनाता है। जिन्हें ब्लड प्रेशर की शिकायत है उन्हें यह आसन कहीं करना चाहिए।

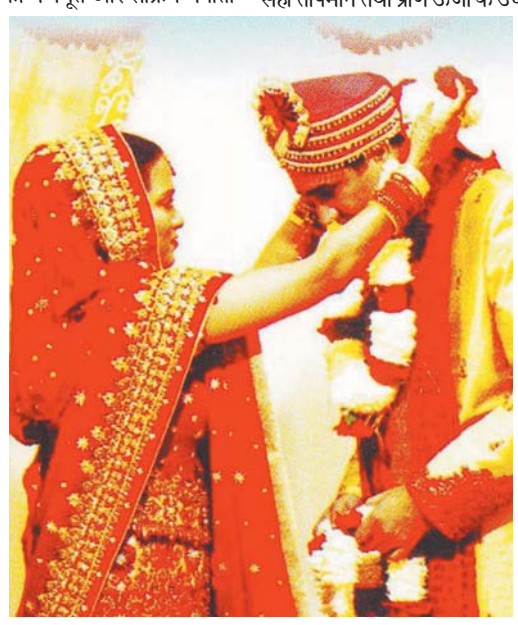

3. तितली आसन : इस आसन को करने से जननांग सुदृढ़ होने के साथ-साथ पेल्विक और ग्रॉइन अंगों में लचीलापन आ जाता है। इस आसन से सेक्स के प्रति रूची बढ़ाने के साथ-साथ चरम आंनद का उपभोग भी कर पाते हैं। वैवाहिक संबंधों के लिए इस आसन को रामबाण माना जाता है।

4. हनुमान आसन : इस आसन को करने से गुप्तांगों में रक्त का संचार अच्छी तरह से होने लगता है। साथ ही नीचे के अंगों की मांसपेशियों में तनाव कम होने के कारण लचीलापन आ जाता है। जिसके कारण सेक्स के दौरान कठिनाई कम होती है और चरम आनंद का अनुभव होता है।

5. उष्ट्रासन : इस आसन को करने से गुप्तागों में रक्त का संचार अच्छी तरह से हो पाता है। इसके कारण सेक्स के दौरान शरीर में अपुर्व ऊर्जा का संचार होने लगता है जो सेक्स के आनंद को उठाने में मदद करता है।

6. भुजंगासन : भुजंगासन आपकी छाती को चौड़ा और मजबूत बनाता है। यह मेरुदंड और पीठ दर्द संबंधी समस्याओं को दूर करने में फायदेमंद है। यह स्वप्नदोष को दूर करने में भी लाभदायक है। इस आसन के लगातार अभ्यास से वीर्य की दुर्बलता समाप्त होती है।

7. सर्वांगासन : यह आपके कंधे और गर्दन के हिस्से को मजबूत बनाता है। यह नपुंसकता, निराशा, यौन शक्ति और यौन अंगों के विभिन्न अन्य दोष की कमी को भी दूर करता है। थायराइड ग्रन्थि को प्रभावित करता है, जिससे थायराइड के स्राव में सन्तुलन आता है, जिसके कारण सम्पूर्ण चयापचय प्रभावित होता है। शरीर के समानुपातिक विकास एवं भार के समान वितरण में सहायक होता है। अपस्फीत शिरा तथा बवासीर का उपचार करता है। शरीर के सही तापमान तथा प्राण ऊर्जा के उच्च स्तर एवं सकारात्मक भावनात्मक दृष्टि को बनाये रखता है। एकाग्रता विशुद्धि चक्र पर

8.धनुरासन : यह कामेच्छा जाग्रत करने और संभोग क्रिया की अवधि बढ़ाने में सहायक है। योगाचार्यो अनुसार यह पुरुषों के ?वीर्य के पतलेपन को दूर करता है। लिंग और योनि को शक्ति प्रदान करता है।

9 . पश्चिमोतानासन : सेक्स से जुड़ी समस्त समस्या को दूर करने में सहायक है। जैसे कि स्वप्नदोष, नपुंसकता और महिलाओं के मासिक धर्म से जुड़े दोषों को दूर करता है।

10. भद्रासन : भद्रासन के नियमित अभ्यास से संभोग सुख में धैर्य और एकाग्रता की शक्ति बढ़ती है। यह आसन पुरुषों और महिलाओं के स्नायु तंत्र और रक्तवह-तन्त्र को मजबूत करता है।

11. योग मुद्रासन: मुद्रासन तनाव को दूर करता है। महिलाओं के मासिक धर्म से जुड़े हुए विकारों को दूर करने के अलावा यह आसन रक्तस्रावरोधक भी है। मूत्राशय से जुड़ी विसंगतियों को भी दूर करता है।

12.मयूरासन : पुरुषों में वीर्य और शुक्राणुओं में वृद्धि होती है। महिलाओं के मासिक धर्म के विकारों को सही करता है। लगातार एक माह तक यह आसन करने के बाद आप पूर्ण संभोग सुख की प्राप्ति कर सकते हो। इस आसन को करने से कभी डायबिटिज की शिकायत नहीं होती।

13.कटि चक्रासन : यह कमर, पेट, कूल्हे, मेरुदंड तथा जंघाओं को सुधारता है। इससे गर्दन और कमर में लाभ मिलता है। यह आसन गर्दन को सुडौल बनाकर कमर की चर्बी घटाता है। शारीरिक थकावट तथा मानसिक तनाव दूर करता है।

14. ध्यान : ध्यान उच्च अनुभव प्रदान करता है, जो अविनाशी होता है। मगर यौन संयोग का अनुभव बहुत क्षणिक होता है, जिसे थोड़े समय के बाद याद कर पाना भी मुश्किल होता है। ध्यान का अनुभव एक बार होने के बाद उसे आगे जारी रखोगे तो आनन्द स्थायी और विकसित होता जायेगा, उसका स्थायी प्रभाव मन पर अमिट होगा। फिर उस क्षणिक ऐन्द्रिय सुख की लालसा भला कौन करेगा, जो केवल नाड़ी उत्तेजना से अधिक कुछ नहीं है। ध्यान से प्राप्त अनुभव उच्च एवं यौन अनुभव बिल्कुल निम्न स्तर का होता है। यहाँ यौन सन्तुष्टि का प्रश्न नहीं है, यहाँ तो पूर्ण सन्तुष्टि की बात है। क्षणिक सुख का अंत पीड़ा, उदासी और निराशा से होता है, जबकि ध्यान का सुख नित्य नवीन होता है। उसे आनन्द कहा जाता है, सुख नहीं।

15.वज्रोली और सहजोली: इसका अभ्यास गृहस्थ लोग करते हैं। इससे उनका वैवाहिक सम्बन्ध विकसित और आध्यात्मिक होता जायेगा। वज्रोली पुरुषों के लिये है, जिसमें वज्र नाड़ी को नियंत्रित किया जाता है। वज्र नाड़ी ही यौन भावना के लिये जिम्मेदार नाड़ी समूह है। वज्र नाड़ी वीर्य की संचालिका है। यह दो नाड़ियों का समूह है, जो जननेन्द्रिय से नीचे उरुमूल के दोनों बगल में जाती हैं और वहाँ से अंडकोशों में जाकर टेस्टोस्टेरोन नामक हार्मोन के उत्पादक को क्रियाशील बनाती हैं। यह हार्मोन पुरुष की यौन इच्छाओं को नियंत्रित करता है और हृदय को भी संचालित करता रहता है।वज्रोली का अभ्यास पद्मासन या सिद्धासन में बैठकर किया जाता है। जालंधर बंध में श्वास रोकते हुए जननेन्द्रिय क्षेत्र और साथ ही साथ अंडकोश, जननेन्द्रिय और वज्र नाड़ी को संकुचित करते है। इस अभ्यास के दौरान मूत्राशय और गुर्दे भी सिकुड़ते हैं।

सहजोली, वज्रोली का समानान्तर अभ्यास है, जो स्त्रियों के लिये है। इसका अभ्यास सिद्धयोनि आसन में किया जाता है। इसमें अंतर्कुम्भक करते हुए योनिगत स्नायुओं और मूत्र मार्ग को संकुचित करके ऊपर की ओर खींचा जाता हैं और यह आकुंचन उसी तरह का होता है जैसे तुम पेशाब को रोकने के लिये प्रयत्न करते हो।

कोरोना फिर हुआ बेकाबू, पहले जैसे बढ़ रहे आंकड़े

-ऋतुपर्ण दवे

कोरोना की रफ्तार फिर पहले सरीखे गति पकड़ रही है। देश-दुनिया में चिंता है। भारत मेंहर दिन नई-नई आती सूचनाएं डरा रही हैं। उंगलियों पर गिने जाने वाले आंकड़े हफ्ते भर में ही हजारों में पहुंच गए। मरने वालों की संख्या में भी हो रही वृध्दि अलग डराती है। कहां 19 मई तक आधिकारिक तौर पर 257 मामले थे। इस रविवार सुबह तक यह आंकड़े 3395 पार गए हैं। मरने वालों की संख्या भी हर रोज बढ़ रही है।सबसे ज्यादा केरल में 1336 सक्रिय मामले हैं।वहीं इससे होने वाली मौतों की शुरुआत भी हो चुकी है जो अभी बहुत ही कम है। लेकिन एक दिन में 685 मामले दर्ज होना, बड़ा इशारा है।महाराष्ट्र में 467 दिल्ली में 375 गुजरात में 265, कर्नाटक में 234, पश्चिम बंगाल में 205, तमिलनाडु में 185 मामले आए हैं।हांगकांग और सिंगापुर में यह बहुत तेजी से फैलते कोरोना ने भारत में जिस तरह पैर पसारा वो चिंतनीय है।इसके नए वैरिएंट जेएन-1 का प्रकोप जारी है जो पहली बार अगस्त 2023 में मिला था। विश्व स्वास्थ्य संगठनने इसे दिसंबर 2023 में ही 'वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' घोषित कर साफ किया था कि यह ओमीक्रॉन बी.ए.2.86 का वंशज है। इसमें 30 के लगभग म्यूटेशन पाए गए जिनमें एल.एफ.7 और एन.बी.1.8 की संख्या ज्यादा थी। कोरोना की यह नई लहर साउथ-ईस्ट एशिया में कुछज्यादा ही असर दिखा रही है। सिंगापुर, हांगकांग और थाईलैंड जैसे देशों में कोविड के मामले बहुत ही तेजी से बढ़ने के बाद अब भारत में रफ्तार पकड़ रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इसका कारणलोगों के शरीर में एंटीबॉडी का कम हो जाना भी है। भारत में भी ऐसी संभावनाओं से इंकार नहीं है। इतना तो लगने लगा है कि सप्ताह भर में ही बढ़े संक्रमण के मामलों में जो उछाल आया है वोचिंताजनक है। चीन से भी छन-छनकर जो निकल रहा है उससे इतना तो पता चल गया कि वहां भी बीते एक महीने में कोरोना के मामलों में काफी तेजी आई है। लेकिन दुनिया को कोरोना देकर भी छुपाने और तबाही की कगार पर पहुंचाने के बाद चीन से जितने सच सामने आए, उसने दुनिया में कैसा विनाश मचाया था, सबने देखा।

इस बार संक्रमित होने वाले अधिकतर लोग वो ज्यादा हैं जो या तो कोमर्बिडिटी यानी सह-रुग्णता वाली स्थिति में हैं।इसमेंप्रभावितों को एक ही समय में एक से अधिक बीमारियाँ होती हैं जिसके कई कारण हो सकते हैं। कुछ सामान्य जोखिम कारक होते हैं, जबकि कुछ अन्य स्थितियों से उत्पन्न लक्षणों या उसके उपचारों के कारण होते हैं। अभी ज्यादातर लक्षण, कोमोर्बिटी या फिर 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में दिख रहे हैं।लेकिन प्रभावित हर आयु वर्ग के लोग हो रहे हैं। स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए अधिकारियों ने डॉक्टर की सलाह पर अपडेटेड वैक्सीन लेने की सलाह दी है। उच्च जोखिम वालों बुजुर्गों, कोमोर्बिटी के शिकार को पहले से ही सालाना कोविड-19 वैक्सीन लेने की सलाह दी जाती रही है।

केरल के बाद महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में भी कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ना चिंताजनक है। उधर अबहॉन्गकॉन्ग के स्वास्थ्य अधिकारी अल्बर्ट अउ का वो बयान सामने है जिसमें उन्होंने माना किकोरोना वायरस के मामले वहां तेजी से बढ़ रहे हैं। सांस लेने की तकलीफ वाले मरीजों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने कीसंख्या अभी साल के महज पाँचवें महीने में हीउच्च स्तर पर पहुंच गई थी। जबकि चीन में श्वांस संबंधी बीमारियों की जांच करवाने वाले मरीजों में कोविड वायरस पाए जाने के मामले दोगुने होनाचिंताजनक है।लोगों को बूस्टर शॉट लेने की सलाह दी गई है। साथ ही चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज एंड प्रिवेंशन के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड की लहर जल्द ही तेज भी हो सकती है।चीन, थाईलैंड और हांगकांग में वहां की सरकारें अलर्ट पर हैं।

साउथ-ईस्ट एशिया के हालात देखते हुए भारत भी सतर्क है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक यानी डीजीएचएस ने राष्ट्रीय रोग नियंत्रण, आपदा प्रबंधन सेल,भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और केंद्रीय सरकारी अस्पतालों के विशेषज्ञों के साथ बैठकें कर चुके हैं। देश की बड़ी आबादी केदृष्टिगत बढ़ती संख्या कहीं न कहीं चिंता बढ़ाने वाली है।अस्पतालों को इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियों और श्वसन संक्रमण के गंभीर मामलों की निगरानी करने के लिए कहा गया है। हालांकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति पर बारीकी से निगरानी रख सतर्क और सक्रिय होकर सुनिश्चित कर रहा है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए उचित उपाय किए जाएं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरीके से तैयार है। स्वास्थ्य मंत्रालय पूरी तरीके से सतर्कता के साथहर परिस्थिति पर नजर रखरहा है।हां, देश भर के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की भी जिम्मेदारी है कि सतर्क रहें, सतर्क करें। ऑक्सीजन और वैक्सीन के इंतजाम पर्याप्त रखे जाएं। ईश्वर करे कि वोस्थिति न आए जिसे हमने देखा, भोगा है। लेकिन पुराने कड़ने अनुभव, काली यादें और कोरोना के कुछ साल का दौर कितना भयावह था, याद कर ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं। याद कीजिए कैसे उंगलियों पर गिनने लायक कोरोना के मामले पहले दर्जन से सैकड़ा, फिर हजार और उसके बाद लाखों में पहुंचे। अच्छा हो इस बार इससे शुरू में ही निपट लिया जाए जिसका तरीका हमें अब पता है। यकीनन एक बार फिर वो दौर आ गया है अच्छा हो कि अभी से सचेत हो जाएं। इस बार ज्यादा चिंता की जरूरत वैसी नहीं है जैसी पिछले बार थी।चूंकि हमने कोरोना से बचना, लड़ना और निपटना सीख लिया है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि हम लापरवाह हो जाएं। इस बार भी इस वायरस को चुनौती देने के लिए फिर पुरानी और एक तरह से अब परंपरागत कही गतिविधियों यानी मास्क, दो गज की दूरी, हाथ धोने जैसे तरीकों को अपनाना होगा। इस सच्चाई को मानकर चलना होगा कि अब हमें अगले कुछ वर्षों तक कोरोना के साथ ही जीना होगा इसलिए इससे निपटना भी उनता ही जरूरी होगा। बस तो जरूरत है कि सतर्क रहें। जरा से संदेह पर चिकित्सकीय परामर्श में कोताही न करें और फिर पनप रहे कोरोना के बहुरूपिया वायरस को चुनौती दें।

क्या युद्ध के दौरान यह ज़रूरी था?

राकेश दुबे

पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मिली 2.4 अरब डॉलर ऋण पर भारत में चिंता एवं निराशा जताई गई है। यह रकम पाकिस्तान को ऐसे नाजुक समय में मिली जब भारत के साथ उसकी सैन्य झड़प हो रही थी। बाद में आईएमएफ ने एक पूरक टिप्पणी में यह जरूर माना कि इस रकम का बेजा इस्तेमाल होने या ऐसा प्रतीत होने पर उसकी छवि को झटका लग सकता है। हालांकि, आईएमएफ की तरफ से यह भी कहा गया कि 'हाल के घटनाक्रम स्थिति की समीक्षा को प्रभावित नहीं करते हैं।'

आईएमएफ के कदम से कई सवाल खड़े हुए हैं। पहला सवाल तो यह है कि तटस्थ रहने के लिए प्रतिबद्ध कोई बहुपक्षीय संस्था अपने दो सदस्य देशों के बीच युद्ध के दौरान ऐसा कदम क्यों उठाएगा? इससे भी महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह है कि भारत भविष्य में ऐसे कदमों की पुनरावृत्ति कैसे रोक सकता है?

बहुपक्षीय संस्थान हमेशा तटस्थ नहीं रहे हैं। शीत युद्ध के दौरान ये बहुपक्षीय संस्थान प्रायः दबदबा रखने वाले खासकर पश्चिमी देशों के हितों को अधिक तवज्जो दे रहे थे। बहुपक्षीय प्रणाली में सबसे बड़े दाता देश अमेरिका ने अक्सर अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर वित्तीय सहायता की दिशा अपने मित्र एवं सहयोगी देशों की तरफ मोड़ दी जबकि प्रतिद्वंद्वी देशों को इससे महरूम रखा।

शीत युद्ध के बाद भी यह रुझान बरकरार रहा। वर्ष 1994 में आईएमएफ ने मेक्सिको को 18 अरब डॉलर ऋण दिए जिनका इस्तेमाल अमेरिकी निवेशकों की रक्षा के लिए किया गया। वर्ष 2013 में आईएमएफ ने ग्रीस को आर्थिक संकट से उबारने में सक्रिय भूमिका निभाई। आईएमएफ को यूरोपीय ताकतों का भी पूरा समर्थन था। ये देश अपने पड़ोस में आर्थिक हालात बिगड़ता नहीं देखना चाहते थे। रूस और यूक्रेन के जारी मौजूदा संघर्ष में बहुपक्षीय एजेंसियों ने यूक्रेन को भारी भरकम सहायता दी है मगर रूस में उन्होंने अपना परिचालन निलंबित रखा है।

वैसे पाकिस्तान को हाल में दिया गया ऋण पुराने ढर्रे से अलग है। शीत युद्ध काल से इतर इस बार बड़े अंशधारक तटस्थ रहे हैं। दूसरी बात यह दिखी है कि आईएमएफ की तरफ से ऋण की स्वीकृति सक्रिय सैन्य टकराव के बीच आई है जो अपने आप में एक अभूतपूर्व स्थिति है।

पाकिस्तान लंबे समय से आईएमएफ से कर्ज लेता रहा है जो कौतूहल का विषय लग रहा है। यह आईएमएफ से कर्ज लेने वाला चौथा सबसे बड़ा देश है और पिछले 25 वर्षों में इसे 25 से 30 अरब डॉलर रकम मिली है। आईएमएफ से मिलने वाली रकम के साथ चीन और सऊदी अरब से मिलने वाली आर्थिक सहायता से पाकिस्तान कई बार आर्थिक पतन से बच गया है। आखिर आईएमएफ एक ऐसे देश को इतनी रकम कर्ज क्यों दे रहा है जिसे अर्थशास्त्रियों ने बार-बार 'खतरनाक रूप से अस्थिर' और 'एक विफल होता राज्य' करार दिया है? इसका एक कारण आईएमएफ की ढांचागत कमजोरी में दिखता है।

कई अध्ययनों में पाया गया है कि एक प्रभावी निगरानीकर्ता के रूप में अपनी पहचान बनाए रखने की इसकी इच्छा इसके निर्णय को विकृत कर देती है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान बार-बार उधार लेने वाले देश के साथ इसका रवैया ढीला-ढाला रहा है जिससे उधारी, फिर विफल कार्यक्रम और फिर अधिक उधारी देने का चक्र शुरू हो जाता है। इस चक्र को तोड़ने के लिए एक बाहरी हस्तक्षेप की जरूरत है और भारत इसमें एक भूमिका निभा सकता है।

जी-20 समूह देशों की अध्यक्षता के दौरान भारत ने वैश्विक वित्तीय ढांचे में सुधार के लिए सार्थक कदम उठाए हैं। भारत ने एन के सिंह और लैरी समर्स की सह-अध्यक्षता में एक अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह का गठन किया। समूह ने बहुपक्षीय बैंकों की क्षमता बढ़ाने एवं उनकी जिम्मेदारी तय करने के लिए दूरगामी सुझाव दिए। ये सुझाव अब आगे बढ़ाए जा रहे हैं, खासकर विश्व बैंक इन्हें आगे ले जाने में बड़ी भूमिका निभा रहा है। अफसोस की बात है कि आईएमएफ इस सुधार कार्यक्रम से पीछे छूट गया था। अब एक और प्रश्न यह है कि भारत आईएमएफ जैसे संस्थानों में अपना प्रभाव कैसे बढ़ा सकता है और अपना रणनीतिक हित प्रभावी ढंग से कैसे सुनिश्चित कर सकता है? भारत इस दिशा में निम्नलिखित कदम उठा सकता है-

बहुपक्षीय संगठनों में अपने हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए भारत को प्रतिभाओं का एक बड़ा समूह खड़ा करना होगा। फिलहाल हमारे श्रेष्ठ एवं प्रतिभावान लोग इन संस्थानों में नहीं जाते हैं। इन बहुपक्षीय संगठनों में उपस्थिति एवं वहां होने वाले कार्यों को भारत रणनीतिक प्राथमिकताओं के नजरिये से नहीं देखता है। अकादमिक या निजी क्षेत्र से नियुक्तियां यदा-कदा ही होती हैं। विदेश में रहने वाले योग्य भारतीय भी कई अन्य कारणों से नजरअंदाज कर दिए जाते हैं। यह स्थिति अवश्य बदलनी चाहिए। हमारे प्रतिनिधियों में कूटनीतिक चतुराई के साथ तकनीकी विशेषज्ञता भी होनी चाहिए।

पूरे जीवन की दिशा तय करती है आपकी सुबह

ध्यान, व्यायाम और सकारात्मक विचारों से खुद को करें तैयार

प्रवीण कक्कड़

क्या आप जानते हैं कि आपकी सुबह की शुरुआत ही आपके पूरे दिन और अंततः आपके पूरे जीवन की दिशा तय करती है। हम में से ज़्यादातर लोग अपनी पूरी क्षमता से नहीं जी पाते, क्योंकि वे अपनी सुबह को यूँ ही गँवा देते हैं या बिना किसी उद्देश्य के इसकी शुरुआत करते हैं। यकीन मानिए, एक उद्देश्यपूर्ण सुबह की दिनचर्या अपनाकर कोई भी व्यक्ति अपने जीवन को अविश्वसनीय रूप से बदल सकता है, फिर चाहे वे पहले से जल्दी उठने वाले व्यक्ति न भी हों।

अपनी सुबह को ऊर्जा और उद्देश्य दें। ध्यान, व्यायाम और सकारात्मक विचारों से खुद को तैयार करें। किताबें पढ़ें, अपने लक्ष्य लिखें, और खुद को उस बेहतर संस्करण के रूप में देखें जो आप बनना चाहते हैं। ये आदतें आपको सामान्य से उठाकर असाधारण जीवन की ओर ले जाएंगी।

क्यों आपकी सुबह खास है?

आपकी सुबह की शुरुआत ही आपके पूरे दिन और आपके पूरे जीवन की दिशा तय करती है। यह केवल एक आदत नहीं, बल्कि आपके जीवन को बदलने का एक शक्तिशाली तरीका है। जब आप अपनी सुबह को जानबूझकर और सकारात्मक रूप से शुरू करते हैं, तो आप अपने दिन को नियंत्रित करते हैं, न कि आपका दिन आपको।

इन आदतों से बनाएं चमत्कारी सुबह

शांति और स्थिरता

अपने दिन की शुरुआत शांति से करें। इसमें ध्यान, प्रार्थना, गहरी साँस लेना या सिर्फ शांत बैठना शामिल हो सकता है। यह आपके मन को शांत करता है, तनाव कम करता है और आपको पूरे दिन के लिए स्पष्टता प्रदान करता है। यह आपके भीतर एक शांत केंद्र स्थापित करने में मदद करता है।

सकारात्मक पुष्टि

अपने लक्ष्यों और आप जिस व्यक्ति बनना चाहते हैं, उसके बारे में सकारात्मक घोषणाएं बोलें या पढ़ें। यह आपके अवचेतन मन को रीप्रोग्राम करता है, आत्मविश्वास बढ़ाता है और आपकी क्षमताओं में विश्वास जगाता है। अपने आप से कहें कि आप सक्षम हैं, आप सफल हैं, और आप अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं।

आदर्श कल्पना करें

अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने और अपने आदर्श जीवन जीने की कल्पना करें। अपने मन में स्पष्ट छवियां बनाएं कि आप कैसा जीवन जीना चाहते हैं और आप वहाँ कैसे पहुंचेंगे। यह आपको प्रेरित रखता है और आपके लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक रोडमैप बनाता है। अपनी सफलता को महसूस करें, उसे जिएं।

व्यायाम करें

सुबह थोड़ा व्यायाम करें, भले ही यह केवल 10-15 मिनट का ही क्यों न हो। यह आपके ऊर्जा स्तर को बढ़ाता है और पूरे दिन के लिए एक सकारात्मक मूड स्थापित करता है। एक चुस्त शरीर एक चुस्त दिमाग का आधार है।

किताबें पढ़ें

व्यक्तिगत विकास, व्यवसाय, या किसी भी ऐसे क्षेत्र में किताबें पढ़ें जो आपके लक्ष्यों के अनुरूप हों। हर दिन कुछ पेज पढ़ने से आप लगातार सीखते और विकसित होते रहते हैं। ज्ञान शक्ति है और आपकी सुबह इसका सबसे अच्छा समय है।

आत्म-चिंतन

अपने विचारों, भावनाओं, लक्ष्यों और आभार को लिखें। यह आत्म-चिंतन (जर्नलिंग) का एक तरीका है, जो आपको स्पष्टता देता है, आपके अनुभवों से सीखने में मदद करता है, और आपकी प्रगति को ट्रैक करता है। जब आप लिखते हैं, तो आप खुद को बेहतर समझते हैं।

ये आदतें आपको ÷औसत दर्जे÷ से बाहर निकालकर एक असाधारण जीवन की ओर ले जा सकती हैं। याद रखें, आप अपनी सुबह की शुरुआत कैसे करते हैं, यही तय करेगा कि आप अपना जीवन कैसे जीते हैं। तो, इन बिंदुओं को अपनाएं और अपनी सुबह को चमत्कारी बनाएं ! याद रखें आप सुबह की शुरूआत कैसे करते हैं। यही तय करेगा कि आप जीवन कैसे जीते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

रविवार की तपती गर्मी में टेंट में पंखे के बीच ऊर्जा मंत्री ने गुजारी रात, एक माह तक एसी के बिना गुजारेंगे रात

ग्वालियर। जून माह के पहले दिन यानि रविवार की तपती रात ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने उपनगर ग्वालियर में कांचमिल स्थित अपने घर के सामने स्थित पार्क में साधारण से टेंट में लगे पंखे के बीच गुजारी। उन्होंने एयर कंडीशनर के अत्यधिक उपयोग से बड़े पैमाने पर हो रहे कार्बन उत्सर्जन से पर्यावरण को पहुँच रहे नुकसान के प्रति शहरवासियों को जागृत करने के उद्देश्य से एक माह तक ष्ट में न सोने का फैसला किया है।

उन्होंने शहरवासियों को वाहनों से फैलने वाले प्रदूषण के प्रति सजग करने के लिये स्वयं एक माह तक ई-स्कूटी से चलने का फैसला भी लिया है। साथ ही शहरवासियों से अपील की है कि वे इस पुनीत पहल में शामिल होकर अपने शहर को प्रदूषण मुक्त व साफ-सुथरा बनाने के लिये आगे आएं। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर द्वारा शहर को स्वच्छ, प्रदूषण मुक्त एवं हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से की गई इस पहल में सहभागी बनने के लिए क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि व शहरवासी उत्साह के साथ आगे आए हैं। जून माह की पहली रात ऊर्जा मंत्री श्री तोमर जब टेंट में पंखे के बीच रात गुजारने पहुँचे तो स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक वहाँ जमा हो गए और उन्हें भरोसा दिलाया कि इस पुनीत पहल में हम सब पूरा सहयोग करेंगे। मंत्री श्री तोमर ने सामूहिक रूप से सीताराम संकीर्तन किया और सभी के प्रति अभिवादन कर टेंट में शयन करने चले गए।

क्यूआर के माध्यम से आमजन पुलिसअधीक्षक को पुलिस संबंधी दे सकेंगे फीडबैक

शहडोल। शहडोल पुलिस ने थानों में क्यूआर कोड लगाए हैं, जिससे न सिर्फ थाने की कार्यप्रणाली पर नजर रखी जा सकेगी, बल्कि आम नागरिक भी अपने अनुभव साझा कर सकेंगे। पुलिस महा निरीक्षक अनुराग शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव द्वारा क्यूआर कोड का लोकार्पण किया गया। इससे जनता पुलिस के व्यवहार और थाने की कार्यप्रणाली के बारे में सीधे पुलिस अधीक्षक को फीडबैक दे सकती है। इस सिस्टम की सबसे खास बात यह यह है कि इस क्यूआर कोड के जरिए लोग यह भी दर्ज कर सकेंगे कि उन्हें थाना में त्वरित सुनवाई मिली या नहीं। ऐसे काम करेगा क्यूआर कोड-मोबाइल फोन से क्यूआर कोड स्कैन करने के बाद एक फीडबैक फॉर्म दिखाई देगा। इस फॉर्म में पुलिस के व्यवहार, थाने की साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय जैसी सुविधाओं और अपने मामले की प्रगति के बारे में जानकारी दे सकते हैं। फीडबैक सीधे पुलिस अधीक्षक को भेजा जाएगा। जनता के फीडबैक के आधार पर पुलिस प्रशासन पुलिस की कार्यप्रणाली में सुधार करेगा। साथ ही पुलिस के व्यवहार में व धाने की सुविधाओं में सुधार के साथ जनता को अपनी राय व्यक्त करने का मौका मिलेगा।

बारिश से पहले ग्रेवल सड़क निर्माण पूरा करें - सीईओ श्री कूमट

मंडला। सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट ने नारायणगंज क्षेत्र के भमण के दौरान कोबरीकला गांव में चल रहे ग्रेवल सड़क निर्माण कार्य निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि मानसून की शुरुआत से पहले सड़क के निर्माण कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए। सीईओ श्री कूमट ने निर्माण स्थल पर कार्य की प्रगति का जायजा लिया और गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने पर जोर दिया। इस अवसर पर सीईओ जनपद पंचायत नारायणगंज गौरीशंकर डहेरिया सहित संबंधित अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे।

174 बच्चे ने किया स्वर्णप्राशन संस्कार

शहडोल । शहर मे प्रत्येक माह की तरह इस माह भी पुष्य नक्षत्र में आयुष विभाग द्वारा जिला आयुर्वेदिक चिकित्सालय शहडोल में स्वर्णप्राशन संस्कार का आयोजन किया गया। इसमें 174 बच्चे लाभान्वित हुए।

सांसद केंद्रीय मंत्री डीडी उइके ने मंच पर मुख्यमंत्री मोहन यादव को चरण स्पर्श करके दिया सम्मान

जीवन में आदर सम्मान उम्र से नहीं, कर्तव्य का पालन करने से होता

सांध्य प्रकाश बैतूल । बैतुल सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री डीडी उइके ने सारणी में आयोजित कार्यक्रम मे अपने से उम्र में दो वर्ष छोटे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के सार्वजनिक रूप से चरण स्पर्श करके प्रदेश की जनता के मन मन जीत लिया। बल्कि मानने लगी की जीवन में आदर सम्मान उम्र से नही अपने कर्तव्य का पालन करने और अपने अनुभव से एक मुकाम हासिल करके एक प्रेरणा बनकर मिलता है।जिसका जीता जागता उदाहरण हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री मोहन यादव और जिले के लोक प्रिय संसाद व केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गा दास उइके के बीच सार्वजानिक रूप से मंच पर दृश्य देखने को मिला। इस बात को लेकर विपक्ष ने सांसद की घोर निंदा की है। आये दिन स्थानीय स्तर कुछ लोग अपनी प्रतिक्रिया दे रहे है। जबकि हमारे मुख्य मंत्री डॉ. मोहन यादव अपनी लोकप्रियता और पूरे देश में अपना वर्चस्व स्थापित करने में सफल हो चुके है। जिससे पूरे भारत में मध्यप्रदेश का नाम रोशन हुआ है। यह बात

केंद्रीय मंत्री सांसद डी डी उइके को मन में महसूस हुई। और उन्होंने भाव विभोर होकर बड़े सम्मान में ऐसी प्रतिभा,मार्गदर्शन और श्री यादव को देश की धरोवर मानकर बड़े सम्मान में जिले के अतिथि और प्रदेश के मुखिया के रूप पंहुचे मुख्य मंत्री डॉ मोहन यादव को अपना आदर्श मानकर भाव विभोर होकर झुकर नमन किया याने सार्वजानिक रूप से उत्साह वर्धन करते हुए चरण स्पर्श किया और अपने परिवार समाज के अच्छे संस्कार का प्रमाण दिया है। इस दृश्य को देखकर शायद कुछ लोग को अचरज जरूर हुआ होगा। लेकिन जिले वासियों ने माना कि उन्होने सही आदिवासी नेता को दुबारा संसाद चुना जिसे देश के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मंत्री बने। जिनमे उनका कोई स्वार्थ नही था। बल्कि इसको लेकर शहर में हर तरफ चर्चा हो रही है। लोग तो कह रहे कि ऐसा चरित्र संस्कार और विचार सिर्फ डीडी मासब के आलावा शायद ही की होगा। सांसद श्री उइके ने जिस तरह पहले हेलीपेड पर और दूसरी बार कार्यक्रम स्थल पर सार्वजनिक रूप से मुख्य मंत्री को चरण स्पर्श किया। उससे उन्होने साबित कर दिया की प्रतिभा और अपने कर्तव्य का पालन करके पुरे देश मे प्रदेश की जनता ने एक सही और संकल्पित व्यक्ति राम भक्त को प्रदेश का मुख्यमंत्री चुना है। हालाकि ये पूरा मामला राजनैतिक रूप से खासा चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों का कहना है कि पेशे से शिक्षक रहे सांसद का इस तरह का व्यवहार करना सादगी को दर्शाता है। और खास यह की केंद्रीय मंत्री होने बाउजूद भी श्री उइके ने अपने ग्रह प्रदेश के यशश्वी मुख्य मंत्री को सर्वजिनिक रूप से सम्मान देकर अभिनंदन करना यह मिशाल कायम की है। सांसद डीडी उइके उम्र में सीएम मोहन यादव से करीब दो वर्ष बड़े हैं। फिर भी उन्हें श्री यादव का आदर करने में कोई एतराज नही था। बल्कि उन्होंने एक सफल शिक्षक होने का प्रमाण दिया है।

इनका कहना है

सांसद उइके बहुत सरल स्वभाव के होकर गायत्री परिवार से जुड़े है। मुख्यमंत्री का आदर करने के लिये चरण स्पर्श करने में उनका प्रदेश के मुखिया के प्रति उनका स्नेह है। इसे राजनैतिक दृष्टिकोण से नहीं देखना चाहिए। इतना सरल सहज स्वभाव का सांसद देखने को नही मिलता श्री उइके पर आज हर समाज गर्व करता है।

रंजीत सिंह
पूर्व भाजपा विधायक, प्रतिनिधि सारनी

हमारे आदिवासी जिले में सबका अपना सम्मान करने का तरीका है। जिसमे उम्र और अवधा मायने नही रखता। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के मुखिया है।और वैसे भी किसी के चरण वंदन करने का मतलब आगे झुकना नही होता जिले के सांसद दुर्गादास उइके जी ने बहुत सुंदर तरीके मुख्यमंत्री का स्वागत किया है। जिले वासियों के लिए ऐसे सांसद पर गर्व करने वाली बात है।

जे पी सिंग , भाजपा विधायक प्रतिनिधि सारनी

कमलनाथ ने नेताओं के बयानों पर साधा निशाना, भाजपा पर सेना के अपमान का आरोप, एमपी महिलाओं पर अत्याचार की राजधानी

भोपाल। एक ओर जहां भारतीय जनता पार्टी ने भोपाल में शनिवार को महिला सशक्तीकरण महासम्मेलन किया। वहीं दूसरी छिंदवाड़ा पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने प्रदेश में महिलाओं की स्थिति खराब होने की बात कही। कमलनाथ ने कहा मध्य प्रदेश तो महिलाओं पर अत्याचार की राजधानी है।

कमलनाथ ने नेताओं के बयानों पर साधा निशाना,भाजपा पर सेना के अपमान का आरोप: एमपी महिलाओं पर अत्याचार की राजधानी पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने अपने गृहनगर छिंदवाड़ा में प्रेसवार्ता के दौरान भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए मेट्रो प्रोजेक्ट पर बोले कमलनाथ मीडिया से चर्चा में कमलनाथ ने कहा कि जब वे केंद्रीय मंत्री थे, तब बाबूलाल गौर को बुलाकर उनसे कहा था, मुझे शर्म आती है कि हमारे यहां मेट्रो

क्यों नहीं है। कमलनाथ ने बताया कि उन्होंने बाबूलाल गौर से प्रोजेक्ट बनाकर देने को कहा था।

बाबूलाल गौर ने बताया था 17 करोड रुपए इस प्रोजेक्ट रिपोर्ट में लगेंगे। जब मैं मुख्यमंत्री बना तब मैंने इस प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया था आज यह उद्घाटन कर रहे हैं। अब आज इंदौर में मेट्रो का उद्घाटन हो रहा है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, जो भी बयानबाजी सामने आ रही है, वह सेना के मनोबल को ठेस पहुंचाने वाली है। भाजपा को यह समझना चाहिए कि सेना देश का गौरव है, और राजनीतिक लाभ के लिए उसका उपयोग नहीं।

सेना पर राजनीति गलत

कमलनाथ ने कहा कि भाजपा के नेताओं ने हाल के दिनों में जो बयान दिए हैं वो बेहद आपत्तिजनक और देश की सेना के शौर्य का अपमान हैं। हमारे जवान सीमा पर अपने प्राणों की बाज़ी लगाकर देश की रक्षा करते हैं। उनके बलिदान को राजनीतिक भाषणों में घसीटना गलत है। सेना राजनीति से ऊपर है। भाजपा को यह समझना चाहिए।

बोले- झूठा श्रेय नहीं लेना चाहिए

कमलनाथ ने कहा कि भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट की नींव उन्होंने ही रखी थी। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि जब भाजपा के बाबूलाल गौर मुख्यमंत्री थे, उस समय उन्होंने खुद उन्हें दिल्ली बुलाकर मेट्रो प्रोजेक्ट पर काम शुरू करवाया। मैंने मेट्रो के सर्वे के लिए दिल्ली से 17 करोड़ रुपये स्वीकृत करवाए थे। प्रोजेक्ट का खाका तब तैयार हुआ और जब मैं मुख्यमंत्री बना तो खुद उसका शिलान्यास किया। अब जब काम दिखाई देने लगा है तो भाजपा इसे अपनी उपलब्धि बता रही है। भाजपा को जनता को सच्चाई बतानी चाहिए न कि झूठा श्रेय लेना चाहिए।

महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण पर भी सवाल

महिला सशक्तीकरण के मुद्दे पर बोलते हुए कमलनाथ ने कहा कि राज्य की महिलाएं आज भी असुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के पास महिला सुरक्षा को लेकर कोई ठोस योजना नहीं है, सिर्फ इवेंट और मंचों पर भाषण दिए जा रहे हैं।

आदिवासी कांग्रेस महिला प्रभाग के मंडला विधानसभा अध्यक्ष बनी डॉ भारती

मंडला। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार व मध्यप्रदेश आदिवासी कांग्रेस महिला प्रभाग प्रदेश अध्यक्ष चंद्रा सर्वेटे,जिला कांग्रेस कमेटी मंडला अध्यक्ष एड. राकेश तिवारी के अनुशंसा पर डॉ.भारती तिलगाम को आदिवासी कांग्रेस महिला प्रभाग की मंडला विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।डॉ. भारती तिलगाम को मंडला विधानसभा अध्यक्ष बनाये जाने पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एड.राकेश तिवारी,जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष शकुन जंघेला,निवास विधायक चैन सिंह वरकडे, बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा, पूर्व विधायक डॉ. अशोक मर्सकोले,आदिवासी कांग्रेस जिला अध्यक्ष राधेशाह मरावी,पूर्व विधायक प्रो.संजीव उइके, सरजू तिवारी, राजेंद्र राजपूत,धर्मेन्द्र श्रीवास्तव,नगर अध्यक्ष एड.रजनीश रंजन उसराठे, आशीष जैन, विवेक दुबे, आलोक पटेल, शकुना उइके, जया मरावी, सोमवती धुर्वे, गतसिंह भवेदी, शिव कुमार मिश्रा, सरिता उइके, आशा मर्सकोले, रागनी परते, रेखा परते, धनेश्वरी मसराम, शीलदेवी झा, राधा गुप्ता, पूर्णिमा शुक्ला, नीलू शुक्ला,किशन उइके, अंशुल नागवंशी सहित सभी कांगेसी जनों ने बधाई एवं शुभकामाएं दी।

आरएसएस द्वारा आयोजित संघ शिक्षा वर्ग का प्राकट्योत्सव कार्यक्रम सम्पन्न

संघ शिक्षा वर्ग के समापन पर सैकड़ों स्वयंसेवकों की एकरूप प्रस्तुति, हिंदू समाज उमड़ा

सिरोज। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 15 दिवसीय संघ शिक्षा वर्ग का समापन रविवार को नगर के एलबीएस कॉलेज मैदान में भव्य प्राकट्योत्सव कार्यक्रम के साथ हुआ। इस अवसर पर हज़ारों की संख्या में हिन्दू समाज के नागरिक उपस्थित हुए और संघ के अनुशासन, एकता तथा संस्कृति के विराट स्वरूप को साक्षात देखा। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम् गान और ध्वजारोहण से हुआ। इसके पश्चात शिक्षार्थियों ने व्यायाम योग, दंड युद्ध, संचलन और गीतों के माध्यम से संघ की वैचारिक और शारीरिक प्रशिक्षण परंपरा का प्रदर्शन किया। वहीं इस दौरान मंच पर प्राकट्योत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सनकादिक आश्रम के महंत श्री श्री 1008 ईश्वर दास महाराज एवं मुख्य वक्ता प्रांत सह संघचालक डॉक्टर राजेश सेठी मौजूद रहे। वही इस प्राकट्योत्सव कार्यक्रम में हजारों की संख्या में शामिल हुए हिंदू समाज के लोगों एवं सयंसेवकों को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता प्रांत सह संघचालक डॉक्टर राजेश सेठी ने कहा संघ भारत की आत्मा से जुड़ा हुआ संगठन है। यह जाति, भाषा और वर्ग से ऊपर उठकर समरस समाज के निर्माण की ओर अग्रसर है। राष्ट्र को सशक्त बनाने के लिए हमें घर-घर संघ के विचार पहुँचाने होंगे। वही उन्होंने कहा कि संघ का उद्देश्य समाज में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और हिन्दू शक्ति के जागरण को पुनर्स्थापित करना है। समाज का हर वर्ग संघ की इस यात्रा में सहभागी बन रहा है। वही उन्होंने कहा कि समाज में समरसता, आत्मनिर्भरता, सांस्कृतिक जागरण, पर्यावरण संरक्षण एवं राष्ट्रभक्ति जैसे पांच बिंदुओं पर व्यापक परिवर्तन की आवश्यकता है।

स्वयंसेवकों ने लिया 15 दिनों का गहन प्रशिक्षण

संघ शिक्षा वर्ग के अंतर्गत 15 दिनों तक सुबह 4.30 बजे से रात्रि 10.30 बजे तक शिक्षार्थियों को विविध सत्रों में शारीरिक अभ्यास, बौद्धिक वर्ग, अनुशासन और राष्ट्र चिंतन की शिक्षा दी गई। यह वर्ग संघ की प्राथमिक शाखा से जुड़े नए कार्यकर्ताओं को संस्कारित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। जिसमें मध्य भारत प्रांत करीब 19 जिलों के 383 स्वयंसेवकों ने भाग लिया था। प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाला यह शिक्षा वर्ग संघ कार्यकर्ताओं के जीवन में नये संस्कार भरने, विचारधारा को स्पष्ट करने और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को मजबूत करने का कार्य करता है। कार्यक्रम में सिरोंज विधायक उमाशंकर शर्मा शामिल हुए ।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री पांझिर में बारना नदी के उद्गम स्थल पर जल गंगा संवर्धन अभियान में हुए शामिल

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल रविवार को औबेदुल्लागंज जनपद पंचायत के ग्राम पांझिर में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बारना नदी के उद्गम स्थल पर पूजन किया गया। कैबिनेट मंत्री पटेल द्वारा बारना नदी के उद्गम स्थल सहित 35 नदियों के उद्गम स्थल का भ्रमण कर उद्गम स्थलों के संरक्षण और संवर्धन कार्यक्रमों में सहभागिता की गई है। मंत्री पटेल ने यहां श्रमदान किया तथा नदी पुनर्जीवन के लिए स्थानीय लोगों से संवाद भी किया।

मंत्री पटेल ने कहा कि उन्होंने संकल्प लिया है कि मध्य प्रदेश से निकलने वाली जो भी नदी का उद्गम होगा वहाँ पर एक बार स्वयं जा कर देखूँगा और कुछ नया कार्य करूँगा। मंत्री पटेल ने कहा कि जब मैं मंत्री बना तो मैंने पौधा रोपण के परिणामों को देखा हम पौधा लगाते हैं लेकिन उन्हें वृक्ष नहीं बना पाते। उन्होंने कहा कि जैसे हम अपने बच्चों को बचपन से लेकर बड़े होने तक संरक्षण देते हैं, वैसे ही वृक्ष भी हमारे बच्चों को जीवन देने वाला है, इसलिए उसके लिए भी अपना योगदान दें। मंत्री पटेल ने कहा कि जो समाज से लेता है उसे याद नहीं किया जाता, लेकिन जो समाज को कुछ देता

है, उसे हमेशा याद रखा जाता है। उन्होंने अभियान में शामिल हुए नागरिकों से आहवान किया कि नदी का संगम, पर्वतों, वृक्ष और मनुष्य का संगम, जहां जीवन की संभावनायें होती है, उसे संरक्षित करना चाहिए।

आईपीएल सटोरिए पुलिस गिरफ्त में मोबाइल सहित लाखों की जब्ती

सिवनी। सिवनी पुलिस ने आईपीएल सट्टा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 27 मई 2025 को ज्यारत नाका क्षेत्र से एक संदेही को पकड़ा जो अपने मोबाइल से ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खेल रहा था। इससे प्राप्त सूचनाओं के आधार पुलिस ने सट्टा के बडे कारोबारियों को पकड़ने में सफलता प्राप्त की। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी अनुसार कोतवाली पुलिस ने क्रिकेट सट्टा के विरुद्ध सिवनी पुलिस का यह वडा प्रहार है जिसमें नगदी मोबाईल सहित कल 45.33,200 रुपये का आन लाईन क्रिकेट का सट्टा पकडाया।

आरोपियों के खातों से हुआ लाखों का लेनदेन दिनांक 27-05-2025 को पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता द्वारा आईपीएल जुआ-सट्टा एवं अवैध गतिविधियों के खिलाफ शिकायत मिलने पर जिले के समस्त थाना प्रभारियों को सख्त कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जीडी शर्मा के निर्देशन में एवं सीएसपी श्रीमती पूजा पांडे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली किशोर बावनकर ने अपने थाना स्तर पर टीम गठित की गई।

थाना प्रभारी कोतवाली को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ज्यारत नाका स्मार्ट किराना दुकान के सामने अभय वंशकार लखनऊ और बेगत्तोर की टीम पर आईपीएल का मैच खेल रहा है। सूचना पर कोतवाली थाना की टीम ने दिनांक 27-05-2025 को शाम करीब 07.30 से 08.30 बजे के मध्य ज्यारत नाका क्षेत्र से एक संदे पकड़ा जो अपने मोबाईल से आन लाईन क्रिकेट सट्टा खेल रहा था। थाना प्रभारी कोतवाली ने मामले की गंभीरता को देखते हुये सायबर सेल से मदद लेकर तत्काल एक टीम आरोपी के द्वारा दिये गये आन लाईन क्रिकेट की लाईन चलाने वाले सिवनी निवासी पियूष उदासी की तलाश पतासाजी हेतु रवाना किया गया। कोतवाली टीम ने दुर्ग भिलाई एवं रायपुर के संबंधित स्थानों में जाकर लगातार दो दिनों तक आरोपियों की तलाश किया जो आरोपी पियूष उदासी रायपुर छत्तीसगढ़ में मिला।

नशे में धुत चौकी प्रभारी ने की दुकानदारों से मारपीट कई घायल 181 पर शिकायत

भावना प्रोविजन संचलक और ग्राहक को गाली दी, सी एम लेल्प लाइन में शिकायत

दैनिक सांध्य प्रकाश । सारनी/ बैतूल। सारनी के अंतर्गत पाथाखेड़ा चौकी प्रभारी वंशज श्रीवास्तव द्वारा होस पाइप से नशे की हालत में स्थानीय चौपाटी के दुकान दारों से गाली-गलौच देकर मारपीट की है। आरोप है कि घटना 31 मई की रात लगभग 11 बजे की है। जब चौकी प्रभारी अपने निजी वाहन से आए और दुकानदार अशलम शेख, सुरेश कुमार चौहान, आनंद पवार संजय पवार, अजय राजपूत, राजकुमार भारतवार सहित अन्य के साथ अभद्र व्यवहार किया। मारपीट में अशलम शेख के हाथ और पैर में चोटें आई हैं । जिसकी की लिखित शिकायत भी की गई है। वहीं सुरेश कुमार चौहान की पीठ पर भी चोट के निशान हैं। दुकानदारों का कहना है। कि पुलिस प्रशासन ने कभी उन्हें दुकान बंद करने या अन्य नियमों के संबंध में कोई सूचना या समझाइश नहीं दी। उनका आरोप है। कि चौकी प्रभारी का यह व्यवहार दादागिरी और अभद्रता का शिकार कर रहा है। जिससे उनका व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। शिकायत में दुकानदारों ने उचित जांच और आरोपी अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही घायल लोगों का मेडिकल परीक्षण कराए जाने की भी अपील की गई है। इस मामले पर पाथाखेड़ा पुलिस की प्रतिक्रिया अभी तक नहीं मिली है। दुकानदारों ने चेतावनी दी है। कि यदि कार्रवाई नहीं हुई। तो वे उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे। जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। वहिं भावना प्रोविजन के संचालक बगडोना रोहित रघुवंशी ने बताया कि एस आई वंशज श्रीवास्तव रात्रि में हमारे प्रतिष्ठान मे नशे की हालत में आकर ग्राहक को उसके पिता को कुत्ता कहकर अश्लील गाली देकर पाइप से मारपीट करने की धमकी दी कॉलर पकड़कर खीचा बल्कि उनके परिजनो को गंदी गाली देकर अपमानित किया। बेवजह धमकी देकर चौकी ले जाने के लिए जीप में बैठा लिया। और उनकी माता पिता को गन्दी गाली देकर अपमानित किया है। चौकी प्रभारी की गुंडा गर्दी और दुरव्यवाहार से मानसिक रूप से परेशान है। और डरे हुये है। घटना की हमने 181 सी एम लाइन में शिकायत करी है। एस पी निश्चल झारिया साहब को कार्यवाही के लिखित शिकायत करेंगे। सबुत के तौर पर सी सी फुटेज भी सुरक्षित है। दूकान दारो एस आई वंशज श्रीवास्तव पर कठोर कार्यवाही की मांग की है।

इनका कहना है

रात्रि 11 बजे के आस पास की एस आई वशंज द्वारा मारपीट किये जाने की शिकायत थाना प्रभारी को मिली है। दोनों पक्षो को सुनकर जांच की जायेगी। सी सी फुटेज भी लिए जाएंगे।

एस डी ओ पी सारनी, रोशन जैन

कार्यालय नगरपालिका परिषद शहडोल, जिला शहडोल (म.प्र.)
Office of the Municipal Council Shahdol, Distt. Shahdol (M.P.)
D.D. Comple&, Near Tagore Park Shahdol, Distt. Shahdol -484001 Email:cmoshahdol@mpurban.gov.in, Ph.No. 07652-245175 (O), 241015(F)

क्रमांक / न.पा.श. / 2311 — शहडोल, दिनांक 30.5.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा केन्द्रीय पंजीयन पद्धति से पंजीकृत ठेकेदारों से नीचे दिये गये विवरण अनुसार ऑनलाईन पद्धति से प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है।

एन.आई.टी. नम्बर	ई-टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम व विवरण	अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि	ऑनलाईन निविदा प्रपत्र की कीमत	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य की समयसीमा	पोर्टल का निविदा देखने एवं सममिट करने का दिनांक
2223	2025_UAD 427622_1	CONSTRUCTION OF SLAB CULVERT WARD NO 23 NEAR LIC BUILDING SHAHDOLAS PER NIT AND ESTIMATE	30.65	23000	10000	Registered Contractors and firms As PER NIT	30 days	31.05.2025 से 16.06.2025 समय 5.30 PM तक

1. इच्छुक ठेकेदार ऑनलाईन निविदा https:/mptenders.gov.in/ पर देखी जा सकती है।
2. किसी भी प्रकार का एन.आई.टी. से संबंधित शुद्धीपत्र केवल वेबसाईट में प्रसारित किया जावेगा समाचार पत्रों में नहीं किया जावेगा। निविदा संबंधी समस्त विवरण एवं शर्तें ऑनलाईन एवं कार्यालय के लोक निर्माण शाखा में देखी जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद शहडोल जिला शहडोल म.प्र.

10 आईपीएस अधिकारियों के तबादले, प्रमोद वर्मा बने जबलपुर आईजी

भोपाल। मध्यप्रदेश में रविवार देर शाम सीएम मोहन यादव के बड़ा एक्शन लेने के कुछ देर बाद ही मध्यप्रदेश पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल किया गया है। मध्यप्रदेश में 10 आईपीएस के ट्रांसफर किए गए हैं। इस लिस्ट में सीएम के निर्देश के बाद हटाए गए कटनी और दतिया के एसपी व चंबल रेंज के आईजी-डीआईजी की जगह नए अफसरों की पोस्टिंग कर दी गई है। कटनी में सीएसपी ख्याति मिश्रा व उनके तहसीलदार पति के बीच हुए विवाद के बाद सीएम मोहन यादव ने नाराजगी जताते हुए कार्रवाई की थी। जो आदेश जारी हुआ है उसके मुताबिक सचिन कुमार अतुलकर को चंबल रेंज का नया आईजी बनाया गया है। वहीं सुनील कुमार चंबल रेंज के डीआईजी बनाए गए हैं। इसी तरह अभिनव विश्वकर्मा को कटनी एसपी नियुक्त किया गया है। वहीं दतिया एसपी की जिम्मेदारी सूरज वर्मा को दी गई है। इसके अलावा प्रमोद वर्मा को पुलिस महानिरीक्षक सागर जोन से पुलिस महानिरीक्षक जबलपुर जोन बनाया गया है। सुशांत सिंह को पुलिस महानिरीक्षक चंबल जोन से हटाकर पुलिस महानिरीक्षक (अ.अ.वी) पुलिस मुख्यालय भोपाल, चंद्रशेखर सोलंकी पुलिस महानिरीक्षक विसबल इंदौर रेंज से पुलिस महानिरीक्षक सागर जोन बनाए गए हैं। कुमार सौरभ को उप पुलिस महानिरीक्षक चंबल रेंज से हटाकर पुलिस महानिरीक्षक (अजाक) पुलिस मुख्यालय बनाया गया है। वीरेन्द्र कुमार को पुलिस अधीक्षक दतिया से सहायत पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय भोपाल और अभिजीत रंजन पुलिस अधीक्षक कटनी को सहायक पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय भोपाल बनाया गया है।

श्री केशव सीमेंट एंड इंफ्रा ने एफवाय25 के लिए 125 करोड़ की आय दर्ज की

मुंबई, एजेंसी। श्री केशव सीमेंट एंड इंफ्रा लिमिटेड (बीएसई - 530977), जो कर्नाटक राज्य में सीमेंट निर्माण और सौर ऊर्जा उत्पादन एवं वितरण के क्षेत्र में कार्यरत है, ने चौथी तिमाही (क्यू4) और पूरे वित्त वर्ष 2024-25 (एफवाय25) के लिए अपने ऑडिट किए गए वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। कंपनी के प्रदर्शन पर श्री वेंकटेश कटवा (चेयरमैन, श्री केशव सीमेंट एंड इंफ्रा लिमिटेड) का बयान-एफवाय25 हमारे लिए एक चुनौतीपूर्ण वर्ष रहा, जिसमें हमारी कुल आय 124.60 करोड़ पर स्थिर रही। सीमेंट और सौर ऊर्जा दोनों क्षेत्रों में टॉपलाइन ग्रोथ पर दबाव के बावजूद, हमने 25.17 करोड़ का इबीआईटीडीए हासिल किया और 20.73 प्रतिशत का इबीआईटीडीए मार्जिन बनाए रखा। राजस्व में गिरावट के प्रमुख कारण रहे व्यापक आर्थिक चुनौतियाँ, बुनियादी ढांचा क्षेत्र में कमजोर मांग के कारण मार्जिन में गिरावट, नवीकरणीय ऊर्जा निवेश पर नीतिगत अनिश्चितताएँ, हालांकि इन बाहरी कारकों ने हमारी टॉपलाइन को प्रभावित किया, लेकिन लागत नियंत्रण और परिचालन दक्षता पर हमारे फोकस ने हमें लाभप्रदता बनाए रखने में मदद की। हम इस चरण को एक अवसर के रूप में देखते हैं ताकि हम अपनी नींव को और मजबूत कर सकें और एफवाय26 में अधिक लचीले और विविधीकृत विकास के रास्ते पर आगे बढ़ सकें। क्षमता उपयोग का अनुकूलन, उत्पाद मिश्रण में सुधार और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में विस्तार जैसे रणनीतिक कदम उठाए जा रहे हैं।

शेरा एनर्जी ने एफवाय25 में कुल आय 1,200 करोड़ के पार की

मुंबई, एजेंसी। शेरा एनर्जी लिमिटेड जो नॉन-फेरस धातुओं से बने वाइंडिंग वायर और स्ट्रिप्स की अग्रणी निर्माता कंपनियों में से एक है, ने एच2 एफवाय25 और एफवाय25 के लिए अपने ऑडिटेड समेकित (कंसोलिडेटेड) वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए शेरा एनर्जी लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक नसीम शेख ने कहा, एफवाय25 में हमने रणनीतिक पूंजी निवेश और व्यापार विस्तार के माध्यम से अपनी विकास गति को और मजबूत किया। हमने एक प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट के माध्यम से इक्विटी आधार को मजबूत किया और वित्तीय लचीलापन बढ़ाया। साथ ही, हमने शेरा मेटल प्राइवेट लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर उसकी दीर्घकालिक विकास क्षमता पर अपना विश्वास दोहराया।

हमारे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स योजनानुसार प्रगति कर रहे हैं – राजपुताना इंडस्ट्रीज़ में मशीनरी की स्थापना एफवाय25-26 की पहली तिमाही तक पूरी होने की उम्मीद है, और शेरा मेटल प्रा. लि. की बिल्डिंग और मशीनरी सेटअप एफवाय26 की पहली तिमाही में पूरा होने का अनुमान है। इन दोनों सब्सिडियरीज में वाणिज्यिक उत्पादन एफवाय25-26 की दूसरी तिमाही से शुरू होने की संभावना है। जाम्बिया में हमारी अंतरराष्ट्रीय इकाई अगले तीन वर्षों में समग्र मार्जिन में महत्वपूर्ण सुधार लाएगी।

वैश्विक स्तर पर वाइंडिंग वायर उद्योग स्थिर वृद्धि देख रहा है, जिसे ऑटोमोबाइल, औद्योगिक, इलेक्ट्रॉनिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों से बढ़ती मांग का समर्थन मिल रहा है। ऊर्जा दक्षता और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर रुझान इस प्रवृत्ति को और गति दे रहा है। भारत में यह क्षेत्र ट्रांसफॉर्मर, मोटर और इलेक्ट्रिकल सिस्टम की स्थायी मांग के साथ देश के औद्योगिक और आधारभूत ढांचे के विकास में अहम भूमिका निभा रहा है। आने वाले समय में हम मजबूत गति बनाए रखने को लेकर आश्वस्त हैं। हमारा फोकस सतत विकास, संचालन में दक्षता और रणनीतिक निवेशों से अधिकतम रिटर्न हासिल करने पर है। विस्तार की मजबूत योजनाएं, विविध उत्पाद पोर्टफोलियो और सब्सिडियरी व अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं में उत्साहजनक प्रगति के साथ, हम उभरते अवसरों का भरपूर लाभ उठाने के लिए तैयार हैं।

एबीएस मरीन सर्विसेज़ को एफवाय25 की दूसरी छमाही में 178 प्रतिशत मुनाफा

मुंबई, एजेंसी। एबीएस मरीन सर्विसेज लिमिटेड जो जहाज प्रबंधन, पोत स्वामित्व, समुद्री और बंदरगाह सेवाओं में व्यापक सेवाएं प्रदान करने वाली प्रमुख समुद्री कंपनियों में से एक है, ने वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही (एच2 एफवाय25) और पूरे वित्त वर्ष (एफवाय25) के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। एबीएस मरीन सर्विसेज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक कैप्टन पी.बी. नारायणन ने कहा, वित्त वर्ष 2024-25 एबीएस मरीन सर्विसेज के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ है, जिसमें हमने अपने सभी व्यावसायिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय परिचालन और वित्तीय प्रगति हासिल की है। हमने 350 करोड़ से अधिक के दीर्घकालिक चार्टर अनुबंध प्राप्त किए, जो ऑफशोर ऊर्जा सहायता खंड में हमारी विश्वसनीयता को और मजबूत करता है। इस वर्ष का हमारा वित्तीय प्रदर्शन लगभग पूरी तरह से हमारे मौजूदा पोतों के जरिए प्राप्त हुआ है। 179.85 करोड़ की समेकित राजस्व में से 179.28 करोड़ मौजूदा पोतों के नवीनीकृत और पुनः बातचीत किए गए अनुबंधों से अर्जित किए गए - वो भी बेहद प्रतिस्पर्धी दरों पर। केवल 0.57 करोड़ राजस्व नए अधिग्रहीत पोत से आया, जिसे आईपीओ के जरिए वित्त पोषित किया गया था, जो हमारे मौजूदा परिसंपत्तियों की कमाई की मजबूत क्षमता को दर्शाता है।

जीडीपी के शानदार प्रदर्शन के बाद अब जीएसटी से भर गया सरकार का खजाना

नई दिल्ली, एजेंसी। दो दिन पहले गत वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही के जीडीपी में 7.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी के शानदार प्रदर्शन के बाद अब जीएसटी संग्रह से देश की अर्थव्यवस्था को बूस्ट मिलता नजर आ रहा है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में लगातार दूसरे महीने जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ के पार चला गया। मई माह में जीएसटी संग्रह पिछले साल मई के मुकाबले 16.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 2,01,050 करोड़ रहा। इस साल अप्रैल में 2.37 लाख करोड़ का रिकार्ड जीएसटी संग्रह किया गया था। चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीने में 4,37,767 लाख करोड़ का जीएसटी संग्रह हो चुका है जो गत वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 14.3 प्रतिशत अधिक है। चालू वित्त वर्ष के बजट में जीएसटी संग्रह में 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान लगाया गया है। वित्त मंत्रालय की तरफ से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक मई माह के जीएसटी संग्रह में सीजीएसटी की हिस्सेदारी 35,434 करोड़ तो एसजीएसटी की 43,902 करोड़ की रही। आईजीएसटी के मद में

1,08,836 करोड़ तो सेस के मद में 12,879 करोड़ रुपए वसूले गए। मई माह में 27,210 करोड़ का जीएसटी रिफंड रहा। इस प्रकार मई में जीएसटी का शुद्ध संग्रह 1,73,841 करोड़ रहा जो पिछले साल मई के शुद्ध संग्रह की तुलना में 20.4 प्रतिशत अधिक है।

पिछले साल भी जीएसटी संग्रह काफी ज्यादा रहा

पिछले साल मई में जीएसटी का शुद्ध संग्रह 1,44,381 करोड़ का था। टैक्स कनेक्ट एडवाइजरी सर्विस के पार्टनर विवेक जालान के मुताबिक मई में घरेलू स्तर की बिक्री से मिलने वाले जीएसटी में 10 प्रतिशत तो आयात से मिलने वाले जीएसटी में 73 प्रतिशत की बढ़ोतरी है जो दर्शा रहा है कि आयात काफी तेजी से बढ़ रहा है। इस पर सरकार को ध्यान देने की जरूरत है।

कई राज्यों के जीएसटी संग्रह की दर में काफी असमानता

दूसरी तरफ राज्यों के जीएसटी संग्रह की दर में भी काफी असमानता दिख रही है। मई में केरल के जीएसटी संग्रह में पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 24 प्रतिशत, तमिलनाडु में 25 प्रतिशत, कर्नाटक में 20 प्रतिशत, दिल्ली में 38 प्रतिशत, बिहार में 23 प्रतिशत का इजाफा रहा, लेकिन दूसरी तरफ मई में गुजरात के जीएसटी संग्रह में चार प्रतिशत, तेलंगाना में छह प्रतिशत, हिमाचल प्रदेश में एक प्रतिशत, हरियाणा में नौ प्रतिशत, झारखंड में आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी रही। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार को इस असमानता का भी अध्ययन करना चाहिए।

श्रेयस अय्यर ने खेली अपने कॅरियर की सबसे अद्भुत पारी मुंबई से छीन लिया मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 का दूसरा क्वालीफायर मैच पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेला गया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले को पंजाब किंग्स की टीम ने 5 विकेट से जीता। दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में पंजाब किंग्सा की टीम ने मुंबई इंडियंस को बुरी तरह से हरा दिया। पंजाब किंग्स की जीत में श्रेयस अय्यर की शानदार बल्लेबाजी का रोल काफी अहम रहा।

उन्होंने इस मैच में अपने करियर की सबसे अहम पारियों में से एक खेली है। अय्यर की कप्तानी पारी के कारण उनकी टीम फाइनल में पहुंच गई है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए इस मुकाबले में पंजाब किंग्स को जीत के लिए 204 रनों का टारगेट मिला था। इस रेनचेज के दौरान पंजाब किंग्स की टीम थोड़ी मुश्किल स्थिति में फंसती हुई नजर आ रही थी, लेकिन टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने रनचेज की जिम्मेदारी अपने उपर ली और इस मुकाबले में 41 गेंदों पर 87 रनों की शानदार पारी खेली। अय्यर की इस पारी में 5 चौके और 8 छक्के शामिल थे। श्रेयस अय्यर ने इस मैच में 212.20 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

10 सालों के बाद फाइनल में पंजाब किंग्सश्रेयस अय्यर ने पिछले दो सालों में बतौर कप्तान खुद को साबित किया है। उनकी कप्तानी घरेलू क्रिकेट से लेकर आईपीएल तक पूरी तरह से छाई हुई है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पिछले सीजन कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम ने आईपीएल का खिताब अपने नाम किया था, वहीं पंजाब किंग्स की टीम भी अब 10 सालों के बाद फाइनल में पहुंच गई है। पंजाब किंग्स अब 03 जून को फाइनल मे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मैच खेलेगी। इस मैच को जीतने वाली टीम पहली बार खिताब जीतेगी। दोनों ही टीमों ने आईपीएल के इतिहास में कभी भी खिताब नहीं जीता है।

रोटरी इंटरनेशनल मंडल 3040 की असेम्बली में इस सत्र में 50 डायलेसिस मशीनें स्थापित का लक्ष्य

भोपाल। रोटरी इंटरनेशनल मडल 3040 की वर्ष 2025 /26 की एसेंबली आरोहण होटल मेपल में रविवार को आयोजित की गई जिसमे 105 रोटरी कल्ब के 600 से अधिक रोटेरियन ने भाग लिया निर्वाचित मंडलाध्यक्ष सुशील मल्होत्रा में 2025/26 ने कार्यभार ग्रहण किया और कहा की इस सत्र में 50 डायलेसिस मशीन अवश्य स्थानों पर स्थापित की जायेगी जहा आर्थिक रूप से पिछड़े पीड़ित रोगियों की मदद की जा सके उन्होंने कहा कि रोटरी इंटरनेशनल के फाउंडेशन में अधिकतम राशी भेजी जायेगी ताकि मंडल में बड़े प्रोजेक्ट किए जा सके सदस्यता को 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि की जायेगी इस अवसर पर 15 सिलाई मशीनें 15 रोटरी क्लब को प्रदान की गई जो जरूरतमंद महिलाओं को प्रदान की जायेगी असेंबली को पूर्व

आर आई डायरेक्टर राजू सुभ्रमण्यम और निर्वाचित डायरेक्टर केपी नागेश ने भी संबोधित किए रोटरी क्लब शाहपुरा भोपाल ने प्रायोजित किया जिसमे प्रमुख भूमिका पी डी जी जिनेन्द्र जैन एवम अध्यक्ष रश्मि जैन ने निभाई कार्यक्रम का संचालन पूर्व मंडलाध्यक्ष गजेंद्र नारंग ने किया आभार प्रदर्शन निर्वाचित मंडला ध्यक्ष मुकेश साहु ने किया।

इंदौर के आईटीआई कैम्पस में आज रोजगार मेला, प्रतिष्ठित कम्पनियों करेगी चयन

इंदौर। राज्य शासन की मंशा अनुसार इंदौर जिले के बेरोजगार आवेदकों हेतु युवा संगम कार्यक्रम के अन्तर्गत रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप के अवसर एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक संयुक्त रोजगार मेले (युवा संगम) का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था और जिला उद्योग केन्द्र इन्दौर के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय (युवा संगम) रोजगार मेले का आयोजन सोमवार, 2 जून 2025 को प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, नन्दानगर इन्दौर में किया जा रहा है। उप संचालक रोजगार श्री पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि उक्त रोजगार मेले में आवेदकों को कॅरियर बनाने का सुनहरा अवसर के साथ-साथ व्यवसाय प्रारम्भ करने के लिये लोन की प्रकिया के संबंध में मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। साथ ही रोजगार मेले में कई प्रतिष्ठित कम्पनियों जैसे- डी-मार्ट, औशियन मोटर्स, चेकमेट, कॉसमॉस ग्रुप, बालाजी वेपर्स, रूपरंग स्टोर्स, श्यामटाटा मोटर्स, शैफाली बिजनेश, मेडपप्स, बी-एबल आदि के 1000 से अधिक रिक्त पदों की पूर्ति हेतु चयन किया जायेगा।

बाजार खुलते ही लाखों करोड़ स्वाहा सेंसेक्स 700 अंक से अधिक गिरा

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लोबल मार्केट से मिले खराब संकेतों के चलते भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ खुले। रिलायंस इंडस्ट्रीज, IT और फाइनेंस कंपनियों के शेयरों में गिरावट के कारण बाजार पर दबाव रहा। अमेरिका-चीन के बीच व्यापार तनाव और अमेरिका के जॉब डेटा आने से पहले निवेशक सतर्क रहे। शेयर मार्केट में आज भारी गिरावट दिख रही है।

सुबह लगभग 9:20 बजे, BSE सेंसेक्स 734 अंक यानी 0.91 प्रतिशत गिरकर 80,718 पर आ गया। वहीं, निफ्टी50 इंडेक्स 191 अंक यानी 0.77प्रतिशत गिरकर 24,548 पर पहुंच गया। BSE पर लिस्टेड सभी कंपनियों का मार्केट कैप 2.06 लाख करोड़ रुपये घटकर 442.13 लाख करोड़ रुपये हो गया। सेंसेक्स में HDFC बैंक, HCL टेक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाइटन और इन्फोसिस सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयरों में शामिल थे। ये शेयर 2प्रतिशत तक गिर गए। इसके विपरीत, अडानी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक और नेस्ले मामूली बढ़त के साथ खुले। सेक्टोरल फ्रंट पर, निफ्टी IT 1.2प्रतिशत गिर गया। वहीं, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, मेटल, फार्मा और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडेक्स 0.5प्रतिशत से 1प्रतिशत तक नीचे खुले।

एनसीपी के राष्ट्रीय महासचिव को स्कॉटलैंड में विकसित भारत 2047 सम्मेलन को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता बृजमोहन श्रीवास्तव को स्कॉटिश संसद, एडिनबर्ग में ÷विकसित भारत ङ्घ2047÷ सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। यह प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 25 से 27 जून 2025 तक स्कॉटिश संसद, एडिनबर्ग में आयोजित होने जा रहा हैं। श्री श्रीवास्तव ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अजीत पवार व कार्यकारी अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पटेल को जानकारी दी है।

यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के दृष्टिकोण को विश्व में पहुँचाने के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में सुशासन, पर्यावरण, पर्यटन, संस्कृति, आयुष, अर्थव्यवस्था, संचार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विषयों पर भारत के दृष्टिकोण विश्वव्यापी बनाना है। सम्मेलन में भारत से ब्रजमोहन श्रीवास्तव सहित श्री गजेंद्र सिंह शेखावत केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री, भारत सरकार,श्रीपद वाई. नाइक ङ्घ माननीय राज्य मंत्री, भारत सरकार,राज्यवर्धन सिंह राठौर माननीय कैबिनेट मंत्री, राज्य सरकार, राजस्थान,लॉर्ड रामी रेंजर हाउस ऑफ लॉर्ड्स, यूके, एमपी बॉब ब्लैकमैन हाउस ऑफ कॉमन्स, यूके,गॉर्डन मैकडोनाल्ड ङ्घ स्कॉटिश संसद के सदस्य,मार्टिन डे पूर्व एमपी, हाउस ऑफ कॉमन्स, बैरी गार्डिनर एमपी, हाउस ऑफ कॉमन्स, सुधीर चौधरी प्रधान संपादक, डीडी न्यूज, श्री मधुर भंडारकर भारतीय फिल्म निर्देशक और निर्माता,राजेंद्र वाघमारे अध्यक्ष, महाराष्ट्र यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, मुंबई सहित और अन्य प्रतिष्ठित अतिथि को आमंत्रित किया है।

इस सम्मेलन का उद्घाटन 25 जून 2035 को स्कॉटिश संसद, एडिनबर्ग में होगा तथा 26 जून 2025 को दूसरा सत्र एडिनबर्ग सिटी काउंसिल चैंबर्स में होगा। 27 जून 2025 को स्कॉटलैंड के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों का दौरा होगा।

अभाविप की राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक रायपुर में संपन्न छात्र हित, शिक्षा सुधार एवं राष्ट्र निर्माण पर गहन मंथन

रायपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद की बैठक 29 से 31 मई, 2025 तक छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मंडपम में संपन्न हुई। इस तीन दिवसीय बैठक में देशभर के 478 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के पूर्व 28 मई को परिषद के विविध आयामों की समीक्षा हेतु अलग-अलग बैठकों का आयोजन किया गया, जिसमें 250 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक की पूर्व संध्या पर एक भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें छत्तीसगढ़ की संस्कृति, जनजातीय परंपराएं, देश की शौर्यगाथाएं, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जन्म जयंती वर्ष, रानी अबक्का की 500वीं जयंती, और संघ शताब्दी वर्ष जैसे विविध विषयों को रचनात्मक रूप से प्रदर्शित किया गया। 28 मई को आयोजित

नागरिक अभिनंदन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी और विशेष अतिथि के रूप में संत श्री बालयोगेश्वर रामबालक दास महात्यागी रहे। साथ ही रायपुर शहर के गणमान्य नागरिकगण,परिषद के पूर्व कार्यकर्ता एवं स्वागत समिति के अध्यक्ष , सचिव सहित समस्त सदस्यगण उपस्थिति रहे।

29 मई की राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक के उद्घाटन सत्र में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. राजशरण शाही, राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री आशीष चौहान द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर बैठक की विधिवत शुरुआत की गई। इस तीन दिवसीय बैठक के अंतिम दिन ÷भाषाओं के माध्यम से भावी भारत÷ विषय पर भाषाविद् श्री चमू कृष्ण शास्त्री का विशेष व्याख्यान भी हुआ, जिसमें उन्होंने भारतीय भाषाओं के संरक्षण और उनके व्यापक उपयोग के लिए इकोसिस्टम निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। तीन दिवसीय बैठक में प्रमुख रूप से चार प्रस्ताव पारित किए गए- कोचिंग संस्थानों की मनमानी और विद्यार्थियों के शोषण पर नियंत्रण हेतु नीति निर्माण की मांग, केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कुलपति नियुक्ति की प्रक्रिया में हो रही अनावश्यक देरी पर चिंता, भारत की आंतरिक सुरक्षा और वैश्विक स्थिति पर चर्चा, तथा विश्वविद्यालय परिसरों में बढ़ती वैचारिक अस्थिरता के समाधान संबंधी प्रस्ताव।

अवैध गैंबलिंग प्लेटफॉर्म्स के कारण किशोरों एवं युवाओं जैसे संवेदनशील वर्ग खतरे में

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत में तेजी से बढ़ते अवैध सट्टेबाजी एवं गैंबलिंग मार्केट से किशोरों एवं युवाओं जैसे संवेदनशील वर्ग पर उल्लेखनीय खतरा मंडरा रहा है। ग्राहकों की संप्रभुता पर केंद्रित पब्लिक पॉलिसी थिंक टैंक कट्स इंटरनेशनल की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। इस रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि इन अवैध प्लेटफॉर्म पर सालाना करीब 100 अरब डॉलर का डिपोजिट होता है। रिपोर्ट में इस समस्या के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण किया गया है। इससे यह सामने आया है कि अवैध ऑनलाइन गैंबलिंग से उपभोक्ताओं की सुरक्षा, वित्तीय अखंडता एवं राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर खतरा है। समस्या की गंभीरता को रिपोर्ट के इस तथ्य से समझा जा सकता है कि अप्रैल, 2024 से मार्च, 2025 के बीच 40 मिरर साइट्स के माध्यम से टॉप 15 अवैध गैंबलिंग प्लेटफॉर्म्स पर 5.4 अरब से ज्यादा विजिट्स देखने को मिलीं। 1एक्सबेट, पेरीमैच, स्टेक, फेयरप्ले और बैटरीबेट जैसे टॉप प्लेटफॉर्म पर लगातार बड़ा ट्रैफिक एवं यूजर्स की पहुंच देखने को मिल रही है। मार्च, 2025 में पेरीमैच के ट्रैफिक शेयर ने अमेजन डॉट इन, विकीपीडिया डॉट ओआरजी, गूगल डॉट को डॉट इन, एक्स डॉट कॉम, हॉटस्टार डॉट कॉम, फ्लिपकार्ट डॉट कॉम, लिंक्डइन डॉट कॉम, कोरा डॉट कॉम और रेडिट डॉट कॉम जैसे लोकप्रिय प्लेटफॉर्म्स को भी पीछे छोड़ दिया था।

युवक ने लॉटरी के 30 करोड़ रुपये गर्लफ्रेंड को दिए, नए बॉयफ्रेंड के साथ फरार हो गई लड़की

नई दिल्ली, एजेंसी। प्यार, भरोसा और 30 करोड़ रुपये की लॉटरी, इन तीनों का ऐसा संगम हुआ कि अब मामला अदालत तक पहुंच गया है। एक युवक को 30 करोड़ की लॉटरी लगी थी। उसने यह राशि अपनी प्रेमिका को गिफ्ट कर दी। उसकी प्रेमिका बिना समय गंवाए सारे पैसे लेकर अपने दूसरे प्रेमी के साथ फरार हो गई। अब मामला कोर्ट पहुंचा है, जहां इस मामले पर सुनवाई होनी है। आपको बता दें कि यह घटना कनाडा की है। एक युवक ने अपनी पूर्व प्रेमिका पर आरोप लगाया है कि उसने उसके नाम की 50 लाख कनाडाई करेंसी (करीब 30 करोड़ रुपये) की लॉटरी जीतने के बाद उसे धोखा दिया और अपने नए प्रेमी के साथ फरार हो गई। कनाडा के विन्निपेग में रहने वाले लॉरेंस कैंपबेल का कहना है कि उन्होंने 2024 में यह लॉटरी टिकट खरीदा था, लेकिन उनके पास वैध पहचान पत्र न होने के कारण वे खुद पुरस्कार का दावा नहीं कर सके। लॉटरी अधिकारियों के सुझाव पर उन्होंने अपनी तत्कालीन प्रेमिका क्रिस्टल ऐन मैके को यह पुरस्कार उनके लिए लेने को कहा। कैंपबेल ने बताया, हम डेढ़ साल से एक वफादार और मजबूत रिश्ते में थे। हम साथ रह रहे थे और मैंने पूरी तरह से उस पर भरोसा किया।चूंकि कैंपबेल के पास बैंक खाता भी नहीं था, उन्होंने क्रिस्टल को पैसे अपने खाते में जमा करने के लिए कहा।

शुरुआत में सब ठीक था। दोनों ने एक वीडियो रिकॉर्ड किया और एक दवा दुकान में विजयी टिकट को वेरिफाइड किया। वे सार्वजनिक रूप से बड़ी सी लॉटरी चेक के साथ तस्वीरों में भी नजर आए। उस वक्त इस

जीत को कैंपबेल की तरफ से क्रिस्टल के लिए जन्मदिन का तोहफा बताया गया। कैंपबेल के अनुसार, कुछ ही दिनों में क्रिस्टल अचानक लापता हो गई। उसने न सिर्फ कैंपबेल से संपर्क तोड़ लिया, बल्कि उसके सोशल मीडिया अकाउंट्स से उसे ब्लॉक कर दिया और एक सुरक्षा आदेश भी ले लिया। बाद में कैंपबेल ने उसे किसी और पुरुष के साथ बेड पर पाया, जैसा कि मुकदमे में बताया गया है।

कैंपबेल ने अब मैनिटोबा कोर्ट ऑफ किंग्स बेंच में एक मुकदमा दायर किया है, जिसमें क्रिस्टल मैके, वेस्टर्न कनाडा लॉटरी कॉरपोरेशन और मैनिटोबा लिकर एंड लॉटरीज को पार्टी बनाया गया है। उनका आरोप है कि सरकारी लॉटरी एजेंसियों ने उन्हें गलत सलाह दी और यह नहीं बताया कि किसी और को पुरस्कार क्लेम करने देना कितना जोखिम भरा हो सकता है। कैंपबेल के वकील ने कहा, ÷यह मामला एक व्यक्ति की नियति बनाम सिस्टम का है। यह एक ऐसी परिस्थिति, जिसे सरकारी लॉटरी एजेंसियों की लापरवाही ने जन्म दिया या कम से कम प्रोत्साहित किया।÷ क्रिस्टल मैके के वकील ने कहा है कि उन पर लगाए गए सभी आरोप निराधार हैं और वह अदालत में अपना पक्ष रखेंगी।

R.N.I. No. - MPHIN/2015/65325

वर्ष 11 अंक 11 पृष्ठ 11

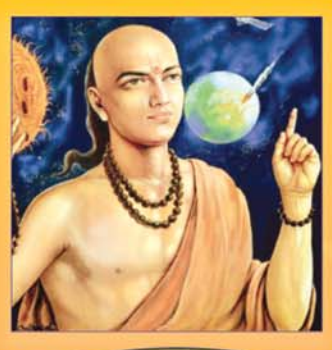

आर्य भट्ट

वेदांग निर्णय सागर

जून 2025

संपादक/पंचागकर्ता
पं. पी एन भट्ट

ता. 1 उदयकालीन ग्रहाचार

ता. 16 उदयकालीन ग्रहाचार

श्री विक्रम संवत् २०८२
वीर निर्वाण संवत् २५५१

शक संवत् १९४७
बंगला सन् १४३२

हिजरी सन् 1446/47 जिल्हेज/मोहर्रम मास (1) ता.6 हज्ज, ईद-उल-अदहा, ता.7 ईदुज्जुहा, ता.14 गदीए-ए-खुम, ता.26 चन्द्रदर्शन, ता.27 से मोहर्रम मास प्रा.

मूलः अश्लेषा के मूल ता.१ को ६/३६ रात्रि तक फिर मघा के मूल ता.२ को १०/५५ रात्रि तक। ज्येष्ठा के मूल ता.१० को ६/०२ शाम से ता.११ को ८/१० रात्रि तक फिर मूल के मूल ता.१२ को ६/५७ रात्रि तक । रेवती के मूल ता.१९ को ११/२७ रात्रि से ता. २० को ६/४५ रात्रि तक फिर अश्विनी के मूल ता. २१ को ७/५० रात्रि तक। अश्लेषा के मूल ता.२८ को ६/३५ प्रातः से ता.१९ को ६/३४ प्रातः तक फिर मघा के मूल ता.३० को ७/२० प्रातः तक ।

पंचक - ता. १६ को १/१० दिन से ता. २० को १/४५ रात्रि तक ।

भद्राः ता.२ को ८/३४ रात्रि से ता.३ को ६/१० प्रातः तक । ता.६ को ३/३१ दिन से ४/४६ रा.अं. तक । ता.१० को ११/३५ दिन से १२/२७ रात्रि तक । ता. १३ को ३/३५ रा.अं. से ता.१४ को ३/४६ दिन तक। ता.१७ को २/४६ रा.अं. से ४/१३ रा.अं. तक । ता.२० को ८/३६ रात्रि से ता.२१ को ७/१८ प्रातः तक । ता.२३ को १०/०९ रात्रि से ता.२४ को ८/३३ प्रातः तक । ता.२८ को ९/२८ रात्रि से ता. २९ को ९/१४ प्रातः तक ।

गुरू, शुक्र तारा- गुरू पूरब दिशा में उदित, ता. ११ को ११/३३ रात्रि में पश्चिम दिशा में अस्त । शुक्र पूरब दिशा में उदित ।

स्वामी/प्रकाशक: पं.पी.एन. भट्ट ज्योतिष शोध एवं समाज सेवार्थ ट्रस्ट, गोपालगंज सागर (म.प्र.) मो. 9407266609

व्रत उपवास त्यौहार

ता.४ महेश नवमी, ता. गंगा दशहरा, ता.६ निर्जला एकादशी व्रत, ता.८ प्रदोश व्रत, ता.१० द. वट सावित्री व्रत, पूर्णिमा व्रत, ता.११ स्नानदान पूर्णिमा, ता.१४ गणेश चतुर्थी व्रत, ता.१९ शीतलाष्टमी, बसोरा, ता.२१ योगिनी एकादशी व्रत, ता.२३ प्रदोष व्रत, शिव चतुर्दशी व्रत, ता.२५ हलहारिणी अमावस्या, स्नानदान श्राद्ध अमावस्या, ता.२६ चन्द्रदर्शन, गुप्त नवरात्रारंभ, ता.२७ भ. जगन्नाथ रथ यात्रा, ता.२८ विनायकी चतुर्थी व्रत ।

सर्वार्थ सिद्धि योग

ता.७ को ९/४० प्रातः से रा.अं. तक । ता.९ को ३/३१ दिन से रा.अं. तक । ता.१४ को १२/२२ रात्रि से रा.अं. तक । ता.१९ को ११/१७ रात्रि से ता.२० के ९/४९ प्रातः तक फिर ता.२० को ही ९/४५ रात्रि से रा.अं. तक । ता.२३ को ३/१६ दिन से रा.अं. तक । ता.२५ को सूर्योदय से १०/४० दिन तक । ता.२६ को ८/४६ प्रातः से ता. २७ को ७/२२ प्रातः तक। **अमृत सिद्धि योग-** ता.२० को सूर्योदय से ९/४९ प्रातः तक।

जैन पर्व

दिसम्बर जैन- ता.११ सोलह द्विवसीय शुक्ल पक्ष पूर्ण, संत शिरोमणि दिवस, आचार्य विद्यासागर, ता.२४ रोहिणी व्रत, ता.३० ऋषि पंचमी । **श्वेताम्बर जैन-** ता. १० एवं २४ पाक्षिक प्रतिक्रमण ।

नर्मदा पंचक्रोशी यात्रा - ता.७ से ११ तक बिल्वामृतेश्वर-नीलकंठेश्वर (रानी रूपमति स्मृति) धरमपुरी (धार)

शुभ मुहूर्त

विवाह- ता. १ से ५ ७ से १० । **मुण्डन-** ता.५, ६ । **उपनयन-** ता.५, ६, ८ । **नामकरण-** ता.५, १६, २३, २६ । **अन्नप्राशन-** ता.५, २०, २७ । **व्यापार-** ता.५, १६, २७ । **गृह प्रवेश-** ता. ७ ।

जयंतियाँ

ता.१ अंतर्राष्ट्रीय बाल्य सुरक्षा दिवस, ता.५ महर्षि गालव अवतरण दिवस, ता.९ बिरसा मुण्डा शहीदी दिवस, ता.१४ विश्व रक्तदान दिवस, ता.१८ रानी लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस, ता.२१ अंतर्राष्ट्रीय योग एवं संगीत दिवस, ता.२६ अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस, ता.२७ मधुमेह दिवस ।

ग्रह स्थिति

सूर्य- वृष राशि में, ता.१५ के १/४८ दिन से मिथुन राशि में । **मंगल-** कर्क राशि में, ता.६ को १२/५८ रात्रि से सिंह राशि में । **बुध-** वृष राशि में, ता.६ को ८/३१ दिन से मिथुन राशि में, ता.२२ को ७/५९ रात्रि से कर्क राशि में । **गुरू-**मिथुन राशि में। **शुक्र-**मेष राशि में, ता.२९ को ६/०० शाम से वृष राशि में । **राहु-** कुम्भ राशि में । **केतु-** सिंह राशि में ।

चन्द्र स्थिति

ता.१ को कर्क का । रात्रि ९/३६ से सिंह का । ता.४ को प्रातः ७/३५ से कन्या का । ता.६ को ८/०६ रात्रि से तुला का । ता.९ को ८/५० प्रातः से वृश्चिक का। ता.११ को ८/१० रात्रि से धनु का । ता.१४ को ५/३८ प्रातः से मकर का । ता.१६ को १/१० दिन से कुम्भ का। ता.१८ को ६/३५ शाम से मीन का । ता.२० को ९/४५ रात्रि से मेष का । ता.२७ को ११/०३ रात्रि से वृष का । ता.२६ को ६/३४ प्रातः से सिंह का। ता.३० को सिंह का ।

जून 2025

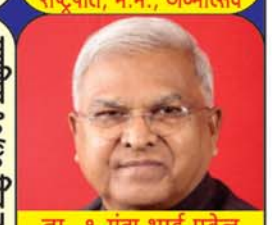

वार					
रवि	**1** स्कन्द षष्ठी; ज्येष्ठ शुक्ल ६ ७/५१ रात्रि तक; अश्लेषा ९/३६ रात्रि तक	**8** प्रदोष व्रत; ज्येष्ठ शुक्ल १२ ७/१७ प्रातः तक; स्वाति १२/४२ दिन तक	**15** पितृ दिवस; आषाढ़ कृष्ण ४ ३/५१ दिन तक; श्रवण १/०० रात्रि तक	**22** गौण योगनि एकादशी; आषाढ़ कृष्ण १२ १/२१ रा.अं. तक; भरणी ५/३८ शाम तक	**29** आषाढ़ शुक्ल ४ ९/१४ प्रातः तक; अश्लेषा ६/३४ प्रातः तक
सोम	**2** ज्येष्ठ शुक्ल ७ ८/३५ रात्रि तक; मघा १०/५६ रात्रि तक	**9** ज्येष्ठ कृष्ण १३ ९/३५ प्रातः तक; विशाखा ३/३१ दिन तक	**16** पंचक १/१० दिन से; आषाढ़ कृष्ण ५ ३/३१ दिन तक; धनिष्ठा १/१३ रा.अं. तक	**23** प्रदोष व्रत; संत नामदेव पुण्यतिथि; आषाढ़ कृष्ण १३ १०/०९ रात्रि तक; कृतिका ३/१६ दिन तक	**30** आषाढ़ शुक्ल ५ ९/२३ प्रातः तक; मघा ७/२० प्रातः तक
मंगल	**3** नवतपा समाप्त; धूमावती जयंती; ज्येष्ठ शुक्ल ८ ९/५६ रात्रि तक; पू.फा. १२/५८ रात्रि तक	**10** वट पूर्णिमा व्रत; ज्येष्ठ शुक्ल १४ ११/३५ दिन तक; अनुराधा ६/०२ शाम तक	**17** पंचक; आषाढ़ कृष्ण ६ २/४६ दिन तक; शतभिषा १/०१ रा.अं. तक	**24** रोहणी व्रत; रानी दुर्गावती बलिदान दि.; आषाढ़ कृष्ण १४ ६/५१ शाम तक; रोहणी १२/५४ दिन तक	ता. २० द्रौपदी मुर्मु राष्ट्रपति, म.म., जन्मोत्सव
बुध	**4** महेश नवमी; ज्येष्ठ शुक्ल ९ ११/५४ रात्रि तक; उ.फा. ३/३५ रा.अं. तक	**11** संत कबीरदास जयंती; संत कबीर दास जयंती; ज्येष्ठ पूर्णिमा १/१३ दिन तक; ज्येष्ठा ८/१० रात्रि तक	**18** कालाष्टमी; पंचक; आषाढ़ कृष्ण ७ १/३४ दिन तक; पू.भा. १२/२३ रात्रि तक	**25** हलहारिणी अमावस; आषाढ़ अमावस्या ४/०० शाम तक; मृगशिरा १०/४० दिन तक	ता. १ मंगू भाई पटेल राज्यपाल, जन्मोत्सव
गुरु	**5** गंगा दशहरा; विश्व पर्यावरण दिवस; ज्येष्ठ शुक्ल १० २/१५ रा.अं. तक; हस्त समस्त	**12** गुरु हरगोविंद जयंती; आषाढ़ कृष्ण १ २/२७ दिन तक; मूल ४/५७ रात्रि तक	**19** पंचक; शीतलाष्टमी; बसोरा; आषाढ़ कृष्ण ८ ११/५५ दिन तक; उ.भा. ११/१७ रात्रि तक	**26** आषाढ़ नवरात्रि; चन्द्र दर्शन; आषाढ़ शुक्ल १ १/२४ दिन तक; आर्द्रा ८/४६ प्रातः तक	ता. १५ जैन संत आचार्य मुनि सुशील जी महाराज जयंती
शुक्र	**6** मां गायत्री जयंती; निर्जला एकादशी; ज्येष्ठ शुक्ल ११ ४/४७ रा.अं. तक; हस्त ६/३४ प्रातः तक	**13** आषाढ़ कृष्ण २ ३/१८ दिन तक; पू.षा. ११/२१ रात्रि	**20** पंचक १/४५ रात्रि तक; आषाढ़ कृष्ण ९ ९/४१ प्रातः तक; रेवती १/४५ रात्रि तक	**27** भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा; आषाढ़ शुक्ल २ ११/११ दिन तक; पुनर्वसु ७/२२ प्रातः तक	ता. २९ श्रीमति शशि प्रभा भट्ट चतुर्थ पुण्यतिथि
शनि	**7** ईदुज्जुहा; वै. निर्जला एकादशी; ज्येष्ठ शुक्ल १२ समस्त; चित्रा ९/४० प्रातः तक	**14** संकष्टी चतुर्थी; आषाढ़ कृष्ण ३ ३/४६ दिन तक; उ.षा. १२/२२ रात्रि तक	**21** साल का सबसे बड़ा दिन; योगनी एकादशी; आषाढ़ कृष्ण १० ७/१८ प्रातः तक; आषाढ़ कृष्ण ११ रा.अं. ४/२७ तक; अश्विनी ७/५० रात्रि तक	**28** विनायक चतुर्थी; आषाढ़ शुक्ल ३ ९/५३ प्रातः तक; पुष्य ६/३६ प्रातः तक	ऐच्छिक अवकाश (राज्य शासन) ता.15 महेश नवमी, ता.20 बड़ा महादेव पूजन, ता.22 संत कबीर जयंती, ता.24 रानी दुर्गावती बलि.दि., गदीर-ए-खुम

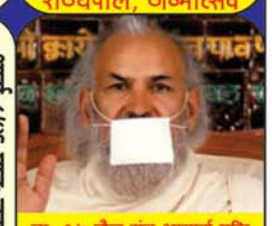

सागर							
सूर्योदय	दिनांक	1–5/28	5–5/27	10–5/27	15–5/28	20–5/29	25–5/30
सूर्यास्त	दिनांक	1–6/57	5–6/59	10–7/01	15–7/02	20–7/04	25–7/05

शुभ और अशुभ को पहिचानें : आनंददायी जीवन के लिए

सूर्योदय प्रातः 6 बजे होने पर राहुकाल, गुलिककाल एवं यमगण्डकाल का उपरोक्तनुसार समय रहेगा। सूर्योदय के समय परिवर्तन पर उक्त समय में अन्तर की गणना कर सही समय ज्ञात कर लें।

दिन	राहुकाल (अशुभ काल)	गुलिककाल (शुभ काल)	यमगण्डकाल (अशुभ काल)
रविवार	4:30 से 6:00 सायं	3:00 से 4:30 अपरान्ह	12:00 से 1:30 अपरान्ह
सोमवार	7:30 से 9:00 प्रातः	1:30 से 3:00 अपरान्ह	10:30 से 12:00 अपरान्ह
मंगलवार	3:00 से 4:30 अपरान्ह	12:00 से 1:30 अपरान्ह	9:00 से 10:30 प्रातः
बुधवार	12:00 से 1:30 दोपहर	10:30 से 12:00 दोपहर	7:30 से 9:00 दिन
गुरूवार	1:30 से 3:00 अपरान्ह	9:00 से 10:30 दिन	6:00 से 7:30 प्रातः
शुक्रवार	10:30 से 12:00 दोपहर	7:30 से 9:00 दिन	3:00 से 4:30 अपरान्ह
शनिवार	9:00 से 10:30 प्रातः	6:00 से 7:30 प्रातः	1:30 से 3:00 अपरान्ह

मास फल

मेष- काम में सफलता मिलेगी। जो लोग घर खोज रहे है उनकी तलाश पूरी होंगी।
वृषभ- जो दब जाता है संसार उसे ही दबाता है। इसका ध्यान रखे ।
मिथुन- कार्यक्षेत्र में अपने महत्त्वपूर्ण निर्णयों में थोड़ा विलंब करें।
कर्क- असफलता से निराश न हों बल्कि अपने प्रयासों को बढ़ाएं।
सिंह- वाद-विवाद से बचें। अपने काम को आत्मविश्वास के साथ पूरा करेंगे।
कन्या- सफलता का मार्ग स्वयं बनाएं । शारीरिक बीमारी को काम में बाधा न बनने दे।
तुला- आपकी व्यक्तिगत प्रगति के लिए प्रतिकूल रहेगा। फिर उस मार्ग पर चलें ।
वृश्चिक- कुछ प्रतिकूल आर्थिक स्थिति का सामना करना पड़ेगा।
धनु- महत्त्वपूर्ण निर्णय स्वयं ही ले ।
मकर- सूर्य का सहयोग प्राप्त होगा ।
कुंभ- कार्यक्षेत्र में सफलता से आपका मनोबल बढ़ेगा ।
मीन- विरोधीयों को परास्त करने के लिए अनुकूल है। काम और व्यवसाय में प्रगति होंगी।

त्रिपुष्कर योग

ता.१७ को १/०१ रात्रि से रा.अं. तक, ता.२२ को ५/३८ शाम से ता.२७ को ७/२२ प्रातः तक । **द्विपुष्कर योग-** ता.७ को सूर्योदय से १/४० दिन तक ।

तिल होने का शुभाशुभ लक्षण

माथे पर	बलवान हो
दोनों भौंहों के बीच	यात्रा होती रहे
दाहिनी आँख पर	स्त्री से प्रेम रहे
दाहिने गाल पर	धनवान हो
बाएँ गाल पर	खर्च बढ़ता जाये
गर्दन पर	आराम मिले
दाहिनी भुजा पर	मान-प्रतिष्ठा मिले
नाक पर	यात्रा होती रहे
छाती के बीच में	जीवन सुखी रहे
पेट पर	उत्तम भोजन का इच्छुक

स्वप्न देखने का शुभाशुभ फल

आकाश की ओर उड़ना	लम्बी यात्रा
सूर्य को देखना	किसी महात्मा के दर्शन
बादल देखना	तरक्की
घोड़े पर चढ़ना	व्यापार में उन्नति
शीशा में मुँह देखना	स्त्री से प्रेम
ऊँचे से गिरना	हानि
बाग-फुलवारी देखना	खुशी
सर के कटे बाल देखना	कर्ज से छुटकारा
पाखाना करना	धन प्राप्त
फूल देखना	प्रेमी मिले

बेटी ही इस संसार में मिल सकने वाली सबसे खूबसूरत सौगातों में से है – लारेन स्थर्टन

आज मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल पार्क में वंदे मातरम कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कृष्णा गौर थीं। मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

रोशनपुरा चौराहे पर कायस्थ महासभा ने पूर्व सांसद कैलाश सारंग के जन्म दिवस पर शरबत वितरण किया।

संगठन सृजन से कांग्रेस को मिलेगा नया संबलः यादव

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने मंगलवार को भोपाल में आयोजित होने जा रहे कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के औपचारिक शुभारंभ को एक ऐतिहासिक पहल बताया है। उन्होंने कहा कि यह अभियान मध्यप्रदेश में कांग्रेस को पुनर्गठित करने और जनमानस से गहरे जुड़ाव की दिशा में एक निर्णायक कदम है। यादव ने कहा, राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी एक बार फिर जनभावनाओं से जुडने और जमीनी स्तर पर मजबूत सगठन खड़ा करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह अभियान न केवल पार्टी कार्यकर्ताओं को दिशा देगा, बल्कि आने वाले समय में कांग्रेस को निर्णायक ताकत बनाने की नीव भी रखेगा। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर एआईसीसी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक, प्रदेश कार्यकारिणी, राजनीतिक मामलों की समिति तथा सभी जिला अध्यक्षों के साथ संवाद कर संगठन की नवीन संरचना पर विचार किया जाएगा। यादव ने आगे कहा, यह केवल सांगठनिक चर्चा नहीं, बल्कि कांग्रेस की आत्मा को फिर से जनआंदोलन से जोडने का प्रयास है। हम सबकी भागीदारी से यह मिशन सफल होगा और एक सशक्त काग्रेस के रूप में हमारा भविष्य और अधिक उज्ज्वल बनेगा। उन्होंने समस्त कांग्रेसजनों से इस आयोजन में सक्रिय सहभागिता की अपील करते हुए कहा कि यह समय है एकजुट होकर चलने का एक उद्देश्य, एक विचार और एक संकल्प के साथ।

अब किराएदार की नहीं चलेगी मनमानी, मकान खाली नहीं किया तो देना होगा चार गुना किराया

भोपाल। नए कानून के अनुसार यदि किराएदार तय अनुबंध की अवधि समाप्त होने के बाद भी मकान खाली नहीं करता है, तो उसे दंडस्वरूप चार गुना किराया चुकाना होगा। इसका उद्देश्य मकान मालिक को न्याय दिलाना और अनुशासन सुनिश्चित करना है। हालांकि, आपदा की स्थिति जैसे किसी प्राकृतिक आपदा या संकट में किराएदार को तत्काल मकान खाली करने की आवश्यकता नहीं होगी, लेकिन उस अवधि में भी उसे उचित किराया देना अनिवार्य होगा। यह अधिनियम स्पष्ट करता है कि किराएदार मकान मालिक की अनुमति के बिना संपत्ति को किसी तीसरे व्यक्ति को उपकिराए पर नहीं दे सकता। यह प्रावधान मकान मालिक की संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करता है और अवैध किरायेदारी से बचाता है।

मकान मालिक की जिम्मेदारियां भी होंगी तय- सिर्फ किराएदार ही नहीं, मकान मालिक को भी कुछ नियमों का पालन करना होगा। यदि मकान मालिक को मकान में किसी भी प्रकार की मरम्मत करनी है, तो उसे कम से कम 24 घंटे पहले किराएदार को सूचित करना आवश्यक होगा। इसके अलावा, बिना किराएदार की अनुमति के मकान मालिक को परिसर में प्रवेश करने की इजाजत नहीं होगी। मकान में मूलभूत सुविधाएं जैसे जल आपूर्ति, बिजली और सुरक्षा सुनिश्चित करना मकान मालिक की जिम्मेदारी होगी।

किराएदार की मृत्यु पर उत्तराधिकारी को अधिकार- यदि किसी किराएदार की मृत्यु हो जाती है, तो उसका उत्तराधिकारी अनुबंध की शर्तों के अनुसार निश्चित अवधि तक उसी मकान में रह सकता है। उन्हें भी किराए की शर्तों और अनुबंध के नियमों का पूरी तरह से पालन करना होगा। इससे पारिवारिक उत्तराधिकार के मामलों में पारदर्शिता और व्यवस्था बनी रहेगी। नए अधिनियम के अंतर्गत मध्य प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक विशेष 'किराया न्यायालय' की स्थापना की जाएगी, जो किराए से जुड़े विवादों और शिकायतों का त्वरित समाधान करेगा। यह अदालत मकान मालिक और किराएदार दोनों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करेगी।

आज होगा मिस यूनिवर्स एमपी 2025 का ग्रैंड फिनाल, 13 प्रतिभागियों में होगी ताज की टक्कर

भोपाल। मिस यूनिवर्स एमपी 2025 का भव्य ग्रैंड फिनाले आज होटल एम्पायर में आयोजित किया जाएगा। रैंप तैयार है, लाइट्स जगमगा रही हैं और अब बारी है प्रतिभा, आत्मविश्वास और सौंदर्य के संगम की। इस मंच पर चुनी जाएंगी वह युवती, जो सीधे मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 की रेस में पहुंचेंगी।

20 मई को हुए स्टेट लेवल ऑडिशन में प्रदेशभर से चयनित 13 फाइनलिस्ट अब फिनाले की रैंप पर जलवा बिखेरेंगी। शो की खास बात यह है कि यह आयोजन मध्यप्रदेश की आधिकारिक स्टेट फ्रेंचाइजी द्वारा किया जा रहा है। बीते वर्ष की विनर कोपल मंडोली अपनी उत्तराधिकारी को ताज पहनाकर अगली मिस यूनिवर्स एमपी की घोषणा करेंगी। फिनाले से पहले सभी प्रतिभागियों को इंटरनेशनल एक्सपर्ट अरनिश डायमेरी द्वारा तीन दिन की खास ट्रेनिंग दी गई। इस दौरान प्रतिभागियों की रैंप वॉक, कम्युनिकेशन स्किल्स, पर्सनल इंटरव्यू, फोटोशूट और टैलेंट राउंड की बारीकी से तैयारी कराई गई। रविवार को हुए इन सभी सेगमेंट्स के प्रदर्शन के आधार पर निर्णायक मंडल विजेता का चुनाव करेगा। मध्यप्रदेश के इस प्रतिष्ठित मंच को और खास बनाने के लिए मिस यूनिवर्स 2024 रिया सिंघा को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

राहुल गांधी के भोपाल दौरे को लेकर प्रदेश कांग्रेस ने बनाई रूपरेखा, सृजन अभियान की होगी शुरुआत

भोपाल। कांग्रेस नेता और लोकसभा नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी 3 मंगलवार को भोपाल आने वाले हैं। राहुल गांधी के कार्यक्रम को लेकर प्रदेश कांग्रेस ने रविवार को एक अहम बैठक कर दौरे की रणनीति तय की। राहुल गांधी का पिछला भोपाल दौरा 2023 विधानसभा चुनाव के दौरान हुआ था। उस समय उन्होंने पुराने शहर में एक बड़ा रोड शो किया था। अब कांग्रेस सृजन अभियान की शुरूआत करने जा रही। राहुल गांधी भोपाल से ही कांग्रेस के सृजन अभियान की शुरुआत रविंद्र भवन से करने जा रहे हैं। यह कार्यक्रम विशेष रूप से अखिल भारतीय कांग्रेस और प्रदेश कांग्रेस डेलीगेट्स के लिए निर्धारित है। साथ ही जिला व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों को भी एंट्री मिलेगी। राहुल गांधी एमपी में पार्टी को दोबारा मजबूत बनाने के लिए संगठन की रणनीति तैयार करेंगे। मप्र कांग्रेस में सीनियर नेताओं का अलग थलग रहने को लेकर इस बैठक में संगठन के भीतर तालमेल को लेकर खास चर्चा संभव है। राहुल गांधी वरिष्ठ नेताओं को एकजुट होकर काम करने का संदेश दे सकते हैं। संगठन के पुनर्गठन में पुराने और नए कार्यकर्ताओं की साझेदारी पर जोर होगा। कार्यक्रम के दौरान संगठनात्मक रिपोर्ट पर फीडबैक भी लिया जाएगा।

कांग्रेस नेटवर्क को फिर खड़ा करने की योजना

संगठन सृजन अभियान का उद्देश्य पंचायत से बूथ तक नेटवर्क को मजबूत करना है। इसके तहत जिलाध्यक्ष चुनाव की प्रक्रिया भी तेज की जाएगी। पहले ही 50 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए थे, अब 11 और जोड़े गए हैं। इनमें दानिश अबरार, दिव्या मदेरणा और रागिनी नायक जैसे नाम प्रमुख हैं। कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि यह पूरी प्रक्रिया संगठन निर्माण के लिए है। पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने कहा राहुल गांधी ने तय किया है कि पुराने और नए कार्यकर्ताओं को जोड़कर भाजपा के कुशासन को उजागर करेंगे। भ्रष्टाचार और झूठे वादों के खिलाफ संगठन को तैयार किया जाएगा। यह मप्र में कांग्रेस के संगठनात्मक पुनर्जागरण की शुरुआत है। कांग्रेस हाईकमान हर निर्देश पर फीडबैक लेगा। जो भी रणनीति रविंद्र भवन में बनेगी, उस पर राहुल गांधी नजर रखेंगे। सूत्रों के अनुसार, वे इसी महीने दोबारा भोपाल आ सकते हैं। एमपी, गुजरात और हरियाणा राहुल गांधी के फोकस में हैं।

कांग्रेस नेता और लोकसभा नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी के आगमन पर मप्र कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

पंडित लेखराज शर्मा रामानंद आश्रम गुफा मंदिर धाम ने बताया कि भोपाल के गौरव साकेतवासी श्री श्री 1008 श्री महंत नारायण दास महाराज गुफ़ा मंदिर धाम की पुण्यतिथि पर आज प्रातः 8 बजे महाराज की समाधि पर महंत जगदुरु स्वामी रामप्रवेशदेवाचार्य महाराज ने पूजन कर पुष्पांजलि अर्पित की। उनके साथ अपने समस्त परिकर थे। इसके उपरांत समस्त संतों ब्राह्मणों भक्तों की भोजन प्रसादी भंडारा सम्पन्न हुआ।

महापौर मालती राय ने आज लेकव्यू वोट क्लब पर पर स्वच्छ भोपाल स्वस्थ भोपाल की थीम पर आधारित कार्यक्रम स्वच्छ सवेरा जन - जागरूकता कार्यक्रम में सम्मिलित होकर पुरुस्कार वितरण किए इस अवसर पर जोन अध्यक्ष आरती अनेजा एवं आयोजन समिति चौपाल की टीम उपस्थित रही।

मोदी के कार्यक्रम से दूर रहीं भाजपा की ये हस्तियां

राज-काज

दिनेश निगम त्यागी

नारी शक्ति की प्रतीक लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती पर कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं और इनसे भाजपा में नारी शक्ति की प्रतीक प्रमुख हस्तियों को ही दूर रखा गया। अहिल्याबाई की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में राजधानी में महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आए। कार्यक्रम में प्रदेश भर से बड़ी तादाद में महिलाओं को बुलाया गया। मोदी ने दतिया, सतना में एयरपोर्ट और इंदौर में मेट्रो का लोकार्पण किया। इनमें पहली यात्रा के लिए महिलाओं को ही चुना गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर भाजपा की फायरब्रांड नेत्री पूर्व मुख्यमंत्री साध्वी उमा भारती और इंदौर से 8 बार सांसद रहीं लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ताई की गैर मौजूदगी चर्चा में रही। इन्हें भुला दिया गया या अन्य कारण से नहीं दिखाई पड़ी, कोई नहीं जानता। ये दोनों भोपाल के महिला सशक्तीकरण कार्यक्रम में दिखी ही नहीं, सुमित्रा महाजन इंदौर में मेट्रो के लोकार्पण कार्यक्रम से भी नदारद थीं। भाजपा ने भले इन दोनों नेत्रियों को रिटायर कर दिया है लेकिन महिला सशक्तीकरण के इस प्रमुख कार्यक्रम में इन्हें होना चाहिए था। भाजपा के तीसरे नेता हैं लगभग 17 साल तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम से ये भी दूर रहे। इनकी गैरमौजूदगी के मायने तलाशे जा रहे हैं।

अचानक चर्चा में आ गए गोपाल, भूपेंद्र, फग्गन - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भोपाल दौरे को लेकर कई तरह के निष्कर्ष निकाले जा रहे हैं। विश्लेषक इस दौरान के घटनाक्रमों को अपने-अपने नजरिए से देख रहे हैं। मोदी के दौरे से प्रदेश भाजपा के तीन वरिष्ठ नेता अचानक चर्चा में आ गए। ये हैं, गोपाल भार्गव, भूपेंद्र सिंह और फग्गन सिंह कुलस्ते। ये तीनों विधायक तो हैं लेकिन इनके पास कोई अन्य महत्वपूर्ण जवाबदारी नहीं है। जबकि ये अपने-अपने क्षेत्र में पार्टी के चेहरे हैं और हमेशा इनके पास कोई न कोई दायित्व रहा है। इनके चर्चा में आने की वजह है, इन्हें एयरपोर्ट बुलाकर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत कराना। जानकार कहते हैं कि बिना पीएमओ की सहमति के बाहर के विधायकों को इस तरह राजधानी बुलाकर प्रधानमंत्री मोदी से नहीं मिलाया जाता। इसका साफ संकेत है कि सरकार अथवा संगठन में इन्हें कोई बड़ी जवाबदारी दी जाने वाली है। गोपाल भार्गव तो कुछ घंटे पहले ही भोपाल से गढ़ाकोटा पहुंचे थे क्योंकि उन्होंने रहली में अहिल्याबाई की प्रतिमा स्थापित कराई थी, वहां कार्यक्रम था। अचानक भोपाल से रात में उन्हें सूचना दी गई कि उन्हें एयरपोर्ट पर मोदी जी का स्वागत करना है। वे रात में ही भोपाल पहुंच गए। इसी तरह भूपेंद्र और कुलस्ते को भी आमंत्रित किया गया। स्वाभाविक तौर पर इनके समर्थक उन्हें मिलने वाली बड़ी जिम्मेदारी से जोड़ कर देख रहे हैं।

जलील होने से अच्छा था, इस्तीफा दे देते मंत्री जी- प्रदेश सरकार के मंत्री और भाजपा के आदिवासी चेहरे विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए गए आपत्तिजनक बयान का मामला ठंडा पड़ने लगा है। इसकी वजह देश की सुप्रीम अदालत भी है। उसने हाईकोर्ट की सुनवाई पर रोक लगाने के साथ मंत्री विजय शाह की गिरफ्तारी पर रोक जुलाई तक के लिए बढ़ा दी है। हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की प्रारंभिक प्रतिक्रियाओं से यह अलग रुख था। इसलिए कहा जा रहा है कि अब शाह का कुछ नहीं बिगड़ेगा। लेकिन भाजपा शाह को लेकर अब भी नफा-नुकसान का आकलन कर रही है। उन्हें न मंत्रिमंडल से हटा रही और न ही केबिनेट की बैठकों में बुला रही। एक तरफ भाजपा कहती है कि विजय शाह मामले की सुनवाई कोर्ट में चल रही है। जो कोर्ट कहेगा, उसका पालन किया जाएगा। ऐसा कह शाह को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग खारिज कर दी जाती है। दूसरी तरफ विजय शाह को जलील भी किया जा रहा है। इंदौर के राजवाड़ा और भोपाल की केबिनेट बैठकों में उन्हें नहीं बुलाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 31 मई के कार्यक्रम से भी उन्हें दूर रखा गया। शाह के एक समर्थक का कहना था कि इस तरह जलील होने से अच्छा था कि मंत्री जी इस्तीफा ही दे देते। इसके बाद उनके प्रति सहानुभूति पैदा हो जाती क्योंकि उनकी मंशा सेना अथवा कर्नल सोफिया को अपमानित करने की नहीं थी।

लक्ष्मण के खिलाफ हो सकती कार्रवाईकी सिफारिश- पहलगाम की आतंकी घटना के बाद दिए पार्टी विरोधी बयान के बाद पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के अनुज कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लक्ष्मण सिंह इस समय शांत हैं। संभवत उन्हें अहसास हो चुका है कि कांग्रेस नेतृत्व उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकता है। बयान ही इतना तीखा दिया था कि उन्हें पार्टी से निकाला भी जा सकता है। लक्ष्मण ने कहा था कि राहुल गांधी और राबर्ट बाड्रा के बयानों के कारण आतंकी घटनाएं होती हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला आतंकवादियों को संरक्षण देते हैं, इसलिए कांग्रेस को उनसे समर्थन वापस ले लेना चाहिए। लक्ष्मण ने पार्टी लाइन के खिलाफ पहली बार बयान नहीं दिया था। समय-समय पर वे लक्ष्मण रेखा पार करते रहते हैं। कई बौर उन्होंने अपने बड़े भाई दिग्विजय सिंह को भी नहीं बख्शा। इस बार मामला ज्यादा गंभीर था इसलिए उन्हें नोटिस जारी कर 10 दिन में जवाब मांगा गया। कांग्रेस की केंद्रीय अनुशासन समिति के अध्यक्ष और सांसद तारिक अनवर को लक्ष्मण द्वारा भेजा गया जवाब मिल गया है। सूत्रों का कहना है कि वे स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं हैं। इसलिए समिति लक्ष्मण के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश कर सकती है। इस आधार पर उन्हें कांग्रेस से बाहर भी किया जा सकता है, हालांकि कार्रवाई राहुल गांधी के रुख पर निर्भर करेगी।

दिग्विजय डटे रहे, नहीं मिला किसी नेता का साथ- ग्वालियर की संविधान बचाओ रैली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने घोषणा की थी कि भविष्य में वे पार्टी के किसी कार्यक्रम में मंच पर नहीं बैठेंगे। सामने आम कार्यकर्ताओं के बीच बैठेंगे और सिर्फ संबोधन के लिए ही मंच पर जाएंगे। दिग्विजय के इस निर्णय के पीछे दो प्रमुख कारण थे। पहला, भोपाल के एक कार्यक्रम में भीड़ ज्यादा होने से मंच का गिरना, इसमें पार्टी के कई नेता गंभीर रूप से घायल हो गए थे। दूसरा, ग्वालियर के कार्यक्रम में मंच पर भीड़ बढ़ने से अफरा-तफरा का मंच जाना। पार्टी के अन्य कार्यक्रमों में भी मंचों पर नेताओं-कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की आम थी। दिग्विजय को उम्मीद थी कि उनके इस निर्णय का अन्य नेता भी अनुसरण करेंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जबलपुर में शनिवार को आयाजित जय हिंद सभा में भी मंच पर नेताओं की खासी भीड़ थी। दिग्विजय अपनी घोषणा के अनुसार मंच की बजाय सामने बैठे, लेकिन किसी नेता ने उनका साथ नहीं दिया। अलबत्ता, पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया ने उन्हें पैर छूकर मंच पर लाने की कोशिश की लेकिन दिग्विजय निर्णय पर अडिग रहे। मजेदार बात यह है कि भोपाल की घटना से सबक लेकर पार्टीने सभाओं, रैलियों के लिए जो मापदंड बनाए हैं, उसमें भी मंच पर ज्यादा नेताओं का न बैठना तय किया गया है। पर कांग्रेस ने तय मापदंड पर भी अमल नहीं किया।